RNI No. 46148/86 भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त पो० रजि० नं० J/RA.N.P-5

जनछाया

युवा क्रांति का सशक्त साप्ताहिक

उत्तर प्रदेश शासन तथा भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

सम्पादक : घनश्याम मिश्र ♦ WWW.JANCHHAYA.IN ♦

वर्ष : 36 अंक : 05 मुँगराबादशाहपुर जौनपुर, शुक्रवार 22 जनवरी से 28 जनवरी 2021 तक पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया

सेंसेक्स ऐतिहासिक अंक पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार ने बृहस्पतिवार को इतिहास रच दिया। बीएसई के सेंसेक्स ने पहली बार ५०ॉ००० का शिखर पार किया। वर्ष १६७६ में १०० के आध ाार अंक के साथ शुरू हुआ सेंसेक्स वर्ष २०१४

में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने पर २५ॉ००० के स्तर पर पहुचा था। इसी राज के करीब सात साल में यह ५०ॉ००० के स्तर को पार कर गया। हालांकि कारोबार के अंत में यह १६७ अंक टूटकर ४६ॉ ६२५ अंक पर बंद हुआ। इस मुकाम पर पहुंचने तक सेंसेक्स को भारी उतारदृचढ़{ाव का सामना करना पड़घ्। मोदी राज में हुआ दोगुनाघ् नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनी तो शेयर बाजार में उत्साह का माहौल बना। पांच जूनॉ २०१४ को सेंसेक्स २५ हजार के पार बंद हुआ। मोदी राज में पिछले करीब सात साल में २५ से ५० हजार तक का सफर तय करके सेंसेक्स दो गुना हो गया। ५००० पहुंचने में लगे सात साल ६ मार्च १६६२ में सेंसेक्स पहली बार ४००० के स्तर पर बंद हुआ लेकिन इसके बाद सेंसेक्स २६०० से ४६०० के बीच झूलता रहा। इसे ५००० तक पहुंचने में सात साल से ज्यादा लग गयेघ्। उदारीकरण से मिली रफ्तारघ् वर्ष १६६० में देश में तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव और वित्त मंत्री मनमोहन सिंह की उदारीकरण की नीतियां शुरू हुईं।

कंपनियों के बेहतर नतीजे से सेंसेक्स पहली बार १००० स्तर के पार पहुंचा। डेढ़ साल में ही यह २००० पर पहुंच गया। घ् कब हुई शुरुआतघ् बंबई शेयर बाजार की स्थापना १८७५ में हुई थी। यह एशिया का सबसे पुराना स्टाक एक्सचेंज है। लेकिन ३० शेयरों वाले सूचकांक सेंसेक्स का गठन एक अप्रैल १६७६ को हुआ। तब इसका आधार सूचकांक १०० माना गया। सेंसेक्स असल में सेंसेटिव इंडेक्स का शॉर्ट फॉर्म है। सेंसेक्स में ३० दिग्गज और सबसे सक्रिय कारोबार वाली कंपनियों के शेयरों को रखा जाता हैघ्। कोरोना से दहशतघ् वर्ष २०२० में कोरोना का भयावह दौर आया। जनवरी २०२० में यह ४२ हजार के करीब पहुंच गया। सेंसेक्स मार्च २०२० में लॉकडाउन के बाद धराशायी होकर मार्च २०२० में २५ॉ६८१ पर लुढ़{क गया। हालांकि मई के बाद सेंसेक्स ने ऐसी रफ्तार पकड़घी जो नित नए रिकार्ड़ बना रही हैघ्। मुंबईः सेंसेक्स के ५०ॉ००० के स्तर पर पहुंचने की खुशी में केक काटा गयाघ्। सवा साल में ४० से ५० हजारघ् कोरोना काल में विदेशी निवेशकों को भारतीय बाजार सबसे ज्यादा आकर्षक लगा। उन्होंने यहां खूब पैसा लगाया। इससे करीब एक साल में ४० से ४५ हजार पर पहुंच गया। चार दिसम्बरॉ २०२० को यह ४५ॉ०७६ अंक पर बंद हुआ। करीब डेघ्ढ़{ माह बाद सेंसेक्स ने ५० हजार का ऐतिहासिक शिखर पार कियाघ्। ३० से ४० हजारीघ् साल २०१७ के अप्रैल महीने में सेंसेक्स ३० हजार के पार पहुंच गया। अगले करीब एक साल में यानी १७ जनवरीॉ २०१८ को यह ३५ॉ०८२ पर बंद हुआ।

कोरोना वैक्सीन की दूसरी डोज 15 से

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को होने वाले वैक्सीनेशन कार्य की सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश देते हुए कहा है कि १५ फरवरी से कोरोना वैक्सीन की दूसरी डोज दी जायेगी और अगले तीन दिन में राज्य सरकार को कोरोना वैक्सीन की अतिरिक्त डोज उपलब्ध हो जाएंगी। इसके तहत १८ लाख डोज मिलेंगी। मुख्यमंत्री बृहस्पतिवार को यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में कोरोना वैक्सीनेशन अभियान की समीक्षा कर रहे थे।

श्री योगी ने कहा है कि अभियान के प्रथम चरण के तहत हेल्थ वर्कर्स का कोरोना वैक्सीनेशन किया जा रहा है और शुक्रवार को होने वाले वैक्सीनेशन कार्य की सभी तैयारियां समय से पूरी की जाएं। उन्होंने कहा कि अभियान के प्रथम चरण में वैक्सीनेट किए गए हेल्थ वर्कर्स को निर्धारित समय अवधि के क्रम में १५ फरवरी से कोरोना वैक्सीन की दूसरी डोज दिया जाना प्रारम्भ किया जाएगाघ्। इस मौके पर श्री योगी को अवगत कराया गया कि आगामी सप्ताह से केवल दो दिन बृहस्पतिवार एवं शुक्रवार को ही वैक्सीनेशन कार्य किया जाएगा। वैक्सीनेशन के लिए १४७७ बूथ स्थापित किए जाएंगे। आगामी सप्ताह तक २६ॉ६६७ हेल्थ वर्कर्स का कोरोना वैक्सीनेशन सम्पन्न कर लिया जाएगा। वर्तमान में १०.५० लाख वैक्सीन की डोज उपलब्ध है। आगामी ०३ दिन में भारत सरकार द्वारा राज्य सरकार को कोरोना वैक्सीन की अतिरिक्त डोज उपलब्ध कराई जाएगी। इसके तहत १८ लाख डोज मिलेंगीघ्।

बैठक में चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्नाॉ मुख्य सचिव आर के तिवारीॉ अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त आलोक टण्डनॉ एसीएस गृह अवनीश कुमार अवस्थीॉ पुलिस महानिदेशक हितेश सी. अवस्थीॉ एसीएस वित्त संजीव मित्तलॉ एसीएस एमएसएमई एवं सूचना नवनीत सहगलॉ सचिव मुख्यमंत्री आलोक कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थेघ्। दवर्तमान में १०.५० लाख वैक्सीन की डोज उपलब्धॉ अगले तीन दिनों में १८ लाख अतिरिक्त ड़ोज उपलब्ध होगीघ् दवर्तमान में १०.५० लाख वैक्सीन की डोज उपलब्ध ॉ अगले तीन दिनों में १८ लाख अतिरिक्त ड़ोज उपलब्ध होगी।

यूपी में और बढ़ेगी ठंड

लखनऊ। पहाड़घें पर बर्फबारी के चलते उत्तर प्रदेश में एक बार फिर से ठंड़ बढ़{ गयी है। शीतलहर चलने से हाड़घ्कंपा देने वाली ठंड़ पड़घी। बहराइच में अधि ाकतम पारा ६.१ डिघ्री लुढ़{का है जबकि बीती रात को इटावा व रायबरेली में पारा ४.६ डिघ्री तक पहुंच गया। प्रदेश के अधि ाकतर इलाकों में दोपहर बाद से शीतलहर चल रही है। उत्तर प्रदेश में आने वाले दोदृ तीन दिनों तक राहत के बाद ठंड़ में फिर इजाफा होने की संभावना हैघ्। आंचलिक मौसम केंद्र के निदेशक जेपी गुप्ता ने बृहस्पतिवार को बताया कि एकदृदो दिन बाद तापमान में भारी गिरावट आएगी।

उन्होंने बताया कि पहाड़घें से आने वाली ठंड़ी हवा के कारण तापमान में गिरावट के साथ गलन बढईघ्गी और ठिठुरन भरी सर्दी महसूस की जाएगी। ऐसी सर्दी अगले पूरे हफ्ते तक रहने की संभावना है। घ् मौसम केंद्र की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले २४ घंटे के दौरान राज्य के पश्चिमी हिस्सों के कुछ इलाकों में घना कोहरा छाया रहा। प्रयागराज मंड़ल में रात के तापमान में

काफी गिरावट दर्ज की गई। इस अवधि में इटावा व रायबरेली राज्य का सबसे ठंड़ा स्थान रहा जहां न्यूनतम तापमान ४.६ डिघ्री सेल्सियस दर्ज किया गयाघ्। बहराइच में दोपहर को सबसे कड़घ्के की ठंड़ पड़घी जहां अधिकतम पारा १३.२ डिघ्री सेल्सियस तक पहुंच गया जो सामान्य से ६.१ डिघ्री ऊपर था। झांसी में धूप निकलने से अधि ाकतम पारा २७.५ डिघ्री सेल्सियस तक पहुंचा जो सामान्य से ३ डिघ्री ऊपर था। राजधानी लखनऊ में १७ किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से बर्फीली हवाएं चलीं और अधिकतम पारा २२.७ डिघ्री रिकार्ड़ हुआ जो सामान्य था। राजधानी में बीती रात को न्यूनतम पारा ६.२ डिघ्री रिकार्ड़ हुआ जो सामान्य से १.४ डिघ्री ऊपर था। मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार अगले २४ घंटे में प्रदेश में मौसम आमतौर पर सूखा रहने की संभावना हैॉ कुछ स्थानों पर कोहरा गिर सकता है।

'मिर्जापुर' मामले में अमेजन को नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बृहस्पतिवार को वेब सीरीज 'मिर्जापुरश् के विवादित कंटेंट को हटाने संबंधी याचिका पर निर्माता एवं अमेजन प्राइम को जवाब तलब किया। मुख्य न्यायाधीश एसए बोबडे की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने सुजीत कुमार सिंह की याचिका की संक्षिप्त सुनवाई के बाद केंद्र सरकारॉ एक्सेल एंटरटेनमेंट और अमेजन प्राइम वीडियो को नोटिस जारी किएघ्। वकील विनय कुमार दास के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है कि इस वेब सीरीज में उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले की गलत छवि दिखाई गई है। याचिका के अनुसार मिर्जापुर का सांस्कृतिक मूल्य काफी समृद्ध है लेकिन २०१८ में एक्सेल एंटरटेनमेंट ने नौ एपिसोड के मिर्जापुर नाम से एक वेब सीरीज लांच कीॉ जिसमें उन्होंने मिर्जापुर को अवैध गतिविधियों वाला शहर दिखाया है जो जिले की छवि खराब करता है। न्यायालय ने इसे लेकर ओटीटी प्लेटफार्म और वेब सीरीज निर्माताओं से जवाब मांगा हैघ्। याचिका में कहा गया है कि यह मिर्जापुर की लगभग ३० लाख आबादी और समृद्ध संस्कृति का अपमान है।

नड्डा ने योगी सरकार के मंत्रियों के कामकाज को परखा बदलाव के संकेत

लखनऊ। यूपी के दो दिन के दौरे पर पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने योगी सरकार के मंत्रियों की बैठक ली। श्री नड्डा ने इस बैठक में सरकार के कामकाज को परखा और मंत्रियों के रिपोर्ट कार्ड पर भी चर्चा की। श्री नड्डा की मंत्रियों के साथ बैठक के बाद बदलाव के संकेत मिले हैं। देरी से लखनऊ पहुंचने पर उनकी पहली दो बैठकें संगठन के दूसरे पदाधिकारियों ने ली। इस बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोषॉ यूपी भाजपा के प्रभारी राधा मोहन सिंहॉ सीएम योगी आदित्यनाथॉ डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्यॉ उप मुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्माॉ यूपी भाजपा के अध्यक्ष स्वतंत्र देवॉ महामंत्री संगठन सुनील बंसल सहित योगी मंत्रिमण्डल के सभी कैबिनेटॉ राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार व राज्यमंत्री शामिल हुए। करीब ४५ मिनट से ज्यादा चली इस बैठक में यूपी में हाल में होने वाले पंचायत चुनाव में लगे मंत्रियों से भी उन्होंने तैयारियों को लेकर पूछा। इसके साथ ही २०२२ की रणनीति की विस्तार से चर्चा की गयी। ध् श्री नड्डा का यूपी दौरा सांगठनिक लिहाज से बेहद अहम है। राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद वह राज्यों के प्रवास पर हैं और यूपी का दौरा भी इसी का हिस्सा है। भारतीय जनता पार्टी की यूपी में सरकार को बने पौने चार वर्ष हो चुके हैं और अगले वर्ष विध् ाानसभा के चुनाव होने हैं लिहाज सरकार व संगठन कदमताल कर केन्द्र की मोदी सरकार की नीतियों को गांव स्तर पर पहुंचाने के लिए आगामी योजना व रचना को लेकर बात की गयी। श्री नड्डा ने देर रात भाजपा की कोर कमेटी के साथ बैठक की। इसमें पार्टी के महामंत्रियों ने भी भाग लिया। यूपी भाजपा के प्रदेश महामंत्री एमएलसी अश्विनी त्यागी ने नड्डा के कार्यक्रम को लेकर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष ने योगी की सरकार ने कोरोना संकट से निपटने में अभूतपूर्व कामयाबी हासिल करने को लेकर पीठ थपथपायी। प्रदेश में विकास की रफ्तार तेज हुई है। सरकार योजनाओ में सभी की भागीदारी तय कर रही है। सरकार व संगठन ने मिलकर जन कल्याण के काम किये हैं। श्री नड्डा ने यूपी सरकार के कामकाज की सराहना की है।

तटीय क्षेत्रों के 1100 स्कूलों में मिलेगी एनसीसी ट्रेनिंगः राजनाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने सीमावर्ती और तटीय क्षेत्रों में ग्१०० से अधिक स्कूलों की पहचान की है जहां जल्द ही छात्रों को राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के तहत प्रशिक्षण मिलेगाष्। यहां एक एनसीसी शिविर को संबोधित करते हुए रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारे प्रध् ाानमंत्री ने निर्णय किया है कि एनसीसी का विस्तार किया जाना चाहिए। सीमावर्ती और तटीय क्षेत्रों में एनसीसी प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाना चाहिए।

हमने ऐसे क्षेत्रों में ग्१०० से अध् ाक स्कूलों की पहचान की है जहां जल्द ही एनसीसी प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा एनसीसी में पूर्व में लड़धकियों की संख्या केवल २८ प्रतिशत थीं वहीं अब उनकी संख्या कुल कैडेटों में ४३ प्रतिशत हो गई है। लगभग एक महीने तक चलने वाले इस शिविर में सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से कुल एक हजार कैडेट शामिल हैं जिनमें ३८० लड़धकियां हैं। इस शिविर का समापन आगामी २८ जनवरी को होगा। कोविड़दृ १६ रोधी टीकों के बारे में मंत्री ने कहाॅ देश में दो टीकों का विनिर्माण हो रहा है। हम समूचे विश्व को एक परिवार की तरह मानते हैं। हम केवल भारत में ही टीकाकरण नहीं करेंगेॉ अपितु अपने पड़धेसी देशों को भी ये टीके उपलब्ध कराएंगे जहां इनकी आवश्यकता है। उन्होंने कहाॅ इसके अतिरिक्तॉ यदि आवश्यकता हुई तो हम विश्व के अन्य देशों को भी टीके उपलब्ध कराएंगे। सिंह ने कहाॅ सरकार ने फैसला किया है कि रोजगार के मामले में एनसीसी कैडेटों को प्राथमिकता दी जाएगी। ध् एनसीसी में लड़धकियों की संख्या २८ प्रतिशत से बढ़कर अब ४३ प्रतिशत हो गई हैघ् राजनाथ ने अपने इंडोनेशियाई समकक्ष से की टेलीफोन पर बात रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को अपने इंडोनेशियाई समकक्ष जनरल प्राबोवो सुबियांतो से टेलीफोन पर बात की और दोनों देशों के बीच समग्र रणनीतिक भागीदारी के संदर्भ में द्विपक्षीय रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। सिंह ने इस बातचीत को सार्थक और सारभूत करार दिया। उन्होंने एक ट्वीट में कहाॅ इंडोनेशिया के रक्षा मंत्री जनरल प्राबोवो सुबियांतो से आज बात की। हमने द्विपक्षीय रक्षा विषयों पर सार्थक और सारभूत चर्चा की। सिंह ने कहाॅ भारत समग्र रणनीतिक भागीदारी के तहत इंडोनेशिया के साथ रक्षा सहयोग बढ़ाईघने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत और इंडोनिशया के बीच पिछले कुछ वर्षों में खासकर समुद्री क्षेत्र में रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग काफी मजबूत हुआ है।

किसानों ने खारिज किया सरकार का प्रस्ताव

नई दिल्ली। किसानों ने सरकार के आकर्षक ऑफर को ठुकराकर आंदोलन जारी रखने का निर्णय लिया है। इससे शुक्रवार की वार्ता में आंदोलन खत्म होने की सरकार की उम्मीदों पर पानी भी फिर गया है। किसानों ने सरकार के डेढ़(साल तक कृषि कानून लागू नहीं करने के प्रस्ताव को यह कह खारिज कर दिया है कि उन्हें कृषि कानून ही नहीं चाहिए।

उन्होंने कहा है कि किसानों को सभी लाभदायक फसलों पर एमएसपी(न्यूनतम समर्थन मूल्य) का कानून भी हर हाल में चाहिए। किसान २३ जनवरी को सुभाषचंद्र बोस की जयंती भी मनाएंगे और २६ जनवरी को ट्रैक्टर परेड़ भी निकालेंगे। सरकार के प्रस्ताव पर संयुक्त किसान मोर्चा की बृहस्पतिवार को देर शाम तक बैठक चलीघ्। दरअसल सरकार के डेढ़(साल तक कृषि कानून लागू नहीं करने के प्रस्ताव पर किसान संगठनों के बीच अलगदृअलग राय थी। किसान नेताओं के एक वर्ग की राय थी कि आंदोलन कृषि कानून रद्द कराने के लिए शुरू किया गया है और उसे रद्द कराने की मांग नहीं छोड़धी जा सकती। वहीं किसान नेताओं का दूसरे वर्ग कह रहा था कि कृषि कानून स्थगित किए जाने का प्रस्ताव सरकार की तरफ से दिया गया अब तक सबसे आकर्षक प्रस्ताव हैं इसकी अवधि दोदृढ़ाई साल मांगी जा सकती है। बैठक में ज्यादातर किसान नेताओं का यह मानना था सरकार मुश्किल से दबाव में आई हैं इसलिए इस दबाव को और बढ़ाने की जरूरत है। यही वजह है कि कानून रद्द करने की मांग पर किसान नेता अड़ गए। ध् प्रमुख किसान नेता दर्शनपाल ने कहा कि किसानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा और आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने ये भी कहा कि शांतिपूर्ण आंदोलन अब देशव्यापी हो गया हैघ्।

कोरोना के कारण बढ़ेगी हज सेवकों की तादाद

लखनऊ। इस साल हज जाने वाले यात्रियों की खिदमत के लिए सेवकों की तादाद बढ़ेगी। पहले २०० यात्रियों के साथ एक खिदमतगार जाता थाॅ लेकिन कोविड़ के चलते १०० यात्रियों पर एक हज सेवक भेजने की तैयारी चल रही है। हज सेवकों में सिर्फ केन्द्र व राज्य सरकार के कर्मचारी ही जाने की इजाजत होगी। इसके लिए हज कमेटी आफ इंडिघ्या एक गाइडलाइन तैयार कर रही है। हज कमेटी आफ इंडिघ्या देश भर के हज यात्रियों के साथ खादिमुल हुज्जाज (हज सेवक) भेजती है। इनका खर्च हज कमेटी आफ इंडिघ्या व राज्यों की हज कमेटियां मिलकर उठाती हैं। इस साल कोविड़ के चलते देश भर में मात्र ६० हजार लोगों ने ही आवेदन फार्म भरा है। जबकि ६५ हजार के करीब आवेदन फार्म सिर्फ उत्तर प्रदेश से भरे जाते थे। इस साल उत्तर प्रदेश से मात्र ६ हजार लोगों ने आवेदन किया है। ध्

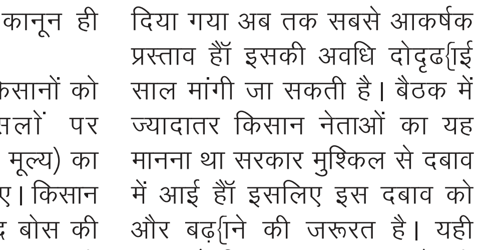

प्रतिनियुक्ति पर भेजे जाएंगे अधिकारीः हज कमेटी आफ इंडिघ्या ने वर्ष २०२१ के हज के लिए मुस्लिम महिला व पुरुष सरकारी कर्मियों की सहायक हज अधिकारीॉ हज सहायक व कोआर्डीनेटर (मेडिघ्कल)ॉ डाक्टर तथा पैरामेडिकल स्टाफ के रूप में सऊदी अरब भेजेगा।

यह सभी पद प्रतिनियुक्ति से भरे जाएंगे। इन पदों के लिए एक विस्तृत नियमावली जारी की गयी है और वह अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय भारत सरकार तथा हज कमेटी आफ इंडिघ्या की वेबसाइट के जरिये ५ फरवरी तक आवेदन कर सकते हैं।

सीरम इंस्टीट्यूट के परिसर में आग से पांच लोगों की मौत

पुणे (एजेंसी)। पुणे स्थित सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिघ्या के मंजरी परिसर की एक इमारत में बृहस्पतिवार को आग लगने से पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दीघ्। इससे पहलेॉ सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिघ्या के सीईओ अदार पूनावाला ने कहा कि आग की घटना से कोविशील्ड़ टीकों के निर्माण को कोई नुकसान नहीं हुआ है। कोविड़दृ१६ के राष्ट्रव्यापी टीकाकरण कार्यक्रम के लिए 'कोविशील्ड़श टीके का निर्माण सीरम संस्थान के मंजरी केन्द्र में ही किया जा रहा है।

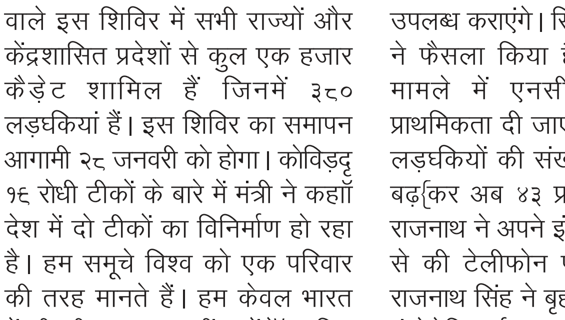

सूत्रों ने कहा कि जिस भवन में आग लगी वह सीरम केन्द्र की निर्माणाधीन साइट का हिस्सा है और कोविशील्ड़ निर्माण इकाई से एक किमी दूर हैं इसलिए आग लगने से कोविशील्ड़ के निर्माण पर कोई असर नहीं पड़घ हैघ्। पुणे के महापौर मुरलीधर मोहोल ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि आग की घटना में जान गंवाने वाले पांच लोग भवन के तल पर काम कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अग्निशमन अधिकारियों ने निरीक्षण के दौरान शव बरामद किये। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि राज्य सरकार ने घटना की जांच के आदेश दे दिये हैं। पुलिस उपायुक्त नम्रता पाटिल ने कहा कि अपराह्न करीब पौने तीन बजे सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिघ्या के परिसर में स्थित एसईजेड़ ३ भवन के चौथे और पांचवें तल पर आग लग गई। उन्होंने कहाॅ 'नौ लोगों को भवन से बाहर निकाल लिया गया है।श दमकल विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। उन्होंने कहाॅ 'आग बुझाने वाले पानी के १५ टैंकरों को काम में लगाया गया और शाम करीब साढ़े चार बजे उसपर काबू पा लिया गया।श ध् द कोविशील्ड़ टीकों के निर्माण को कोई नुकसान नहींघ् सीरम इंस्टीट्यूट की इमारत से निकलता धुआंघ्। सीरम इंस्टीट्यूट की इमारत से निकलता धुआंघ्। द कोविशील्ड़ टीकों के निर्माण को कोई नुकसान नहीं।

छह शूटरों ने गोलियों से भूना था अजीत सिंह को

एक शूटर गया जेल

लखनऊ (संवाददाता)। पंजाब जेल में बंद बाहत्त्बली मुख्तार अंसारी के करीबी व पूर्व ब्लॉक प्रमत्त्ख अजीत सिंह हत्याकांड का आखिरकार पत्त्लिस ने राजफाश कर दिया है। गुरुवार को संयत्त्क्त पत्त्लिस आयत्त्क्त नीलाब्जा चौधरी ने बताया कि छह शूटरों ने अजीत को गोलियों से भूना था। अंबेडकर नगर से गिरफ्तार किए गए चंदौली जिले के बलत्त्आ ग्राम महत्त्अर कला निवासी संदीप उर्फ बाबा ने पूछताछ में पत्त्लिस को सभी हमलावरों के नाम बताए हैं। संदीप १५ साल से फरार था। २००६ में केराकत जौनपत्त्र में हत्त्ई हत्या में वह वांछित था। हिस्ट्रीशीटर संदीप पर ६ फरवरी २०१८ को १० हजार का इनाम घोषित किया गया है। ध्‍ संयत्त्क्त पत्त्लिस आयत्त्क्त नीलाब्जा चौधरी ने बताया कि करीब एक साल से अजीत सिंह की हत्या की साजिश रची जा रही थी। हमलावर लगातार मौके की फिराक में थे। ६ जनवरी को भी संदीप अपने साथी गिरधारी उर्फ डॉक्टर उर्फ कन्हैयाॉ रवि यादवॉ शिवेंद्र उर्फ अंकत्त्र सिंहॉ राजेश तोमर उर्फ जय व बंटी उर्फ मत्त्स्तफा उर्फ वीरू रैकी कर रहे थे। अजीत की काली स्कार्पियो गाड़ी का पीछा करते हत्त्ए सभी कठौता चौराहे के पास पहत्त्ंचे। अजीत और मोहर गाड़ी खड़ी कर उदय टॉवर में चले गए। इस दौरान हमलावरों को अपनी पोजिशन लेने का मौका मिल गया। अजीत जैसे ही वापस गाड़ी की तरफ बढ़े संदीपॉ गिरधारीॉ मत्त्स्तफॉ अंकत्त्रॉ राजेश तोमर और रवि ने उसपर ताबड़तोड़ गोलियां बरसानी शत्त्रू कर दी। अजीत को २२ गोलियां मारने के बाद हमलावर वहां से निकल गए थे। इस दौरान राजेश तोमर के पेट में गोली लगी थी। ध्‍ डीसीपी संजीव सत्त्मन ने बताया कि वारदात को अंजाम देने के बाद गिरधारी व रवि यादव स्कूटी से कहीं और निकल गएॉ जबकि संदीपॉ मत्त्स्तफॉ अंकत्त्र और राजेश अलगदृअलग बाइक से कमता बस स्टैंड पर पहत्त्ंचे। बस स्टैंड पर गाड़ी खड़ी की और बंधन की लाल रंग की डस्टर कार में बैठकर वहां से अवध विहार योजना अलकनंदा अपार्टमेंट पहत्त्ंचे। पूछताछ में संदीप ने बताया कि इसके बाद वह रोडवेज बस से अंबेडकर नगर चला गया था। ध्‍ अलकनंदा अपार्टमेंट में डॉक्टर से निकलवाई गई थी गोलीॉ पिस्टल बरामदः गैंगवार में शूटर राजेश तोमर गोली लगने से घायल हो गया था। पूर्व सांसद के कहने पर मानसनगर कृष्णानगर में रहने वाला विपत्त्ल सिंह वहां डॉक्टर निखिल को लेकर पहत्त्ंचा था। अपार्टमेंट में डॉक्टर निखिल ने राजेश के पेट से गोली निकाली थी। इस दौरान वहां अंकत्त्रॉ बंधनॉ मत्त्स्तफा और विपत्त्ल मौजूद थे। राजेश तोमर के पेट से गोली निकलने के बाद सभी आरोपितों ने अंकत्त्र को अपना असलहा सौंप दिया था। इसके बाद वे लोग राजेश को सत्त्लतानपत्त्र स्थित डॉ. एके सिंह के सत्त्मन नर्सिंग होम में इलाज कराने चले गए थे। वहां इलाज के बाद राजेश अलीगढ़ होते हत्त्ए नोएडा पहत्त्ंचा था। पत्त्लिस ने शूटर संदीप की निशानदेही पर अलकनंदा अपार्टमेंट पीदृ ब्लाक फ्लैट नंबर ११०२ से एक पिस्टल और पांच कारतूस बरामद किए हैं। हमले में शामिल चार शूटरों समेत छह आरोपित अभी भी फरार हैं। ध्‍ बढ़ते वर्चस्व को खत्म करने के लिए कुण्टू व अखण्ड ने कराई हत्याः राजध्‍ ाानी पत्त्लिस की मानें तो शूटर संदीप उर्फ बाबा ने पूछताछ में कबूला कि आजमगढ़ जेल में बंद कत्त्ंटू और अखंड प्रताप सिंह के कहने पर अजीत की हत्या की गई थी। इसके लिए गिरधारी ने सभी शूटरों से बात की थी। तिहाड़ जेल में बंद गिरधारी ने भी दिल्ली पत्त्लिस से पूछताछ में सभी शूटरों के नाम बताए हैं। जेसीपी नीलाब्जा चौधरी ने बताया कि गिरधारी हर १५ दिन पर शूटरों को ÷पये व अन्य चीजें उपलब्ध कराता था। जल्द ही गिरध्‍ ाारी को पत्त्लिस कस्टडी रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी। हालांकि गिरधारी ने दिल्ली पत्त्लिस को अंकत्त्र सिंहॉ बंधन और रवि यादव का नाम बताया है। बताया जा रहा है कि मझ में अजीत भारी सत्त्रक्षा व्यवस्था के साथ चलता था। जिससे हमलावरों को मौका नहीं मिल पा रहा था। ३१ दिसम्बर को अजीत के जिलाबदर होते शूटर सक्रिय हो गए थे और इस ताक में थे कि कब अजीत बत्त्लेट प्रूफ गाड़ी से नीचे उतरे और उसे मौत के घाट उतार सके। छह जनवरी को हमलावरों को मौका मिला और उन्होंने वारदात को अंजाम दे दिया। इंस्पेक्टर चंद्रशेखर सिंह ने बताया कि इलाके में अजीत के बढ़ते वर्चस्व से दोनों परेशान थे। ठेकेदारी में भी अजीत हावी होता जा रहा था। पंचायत चत्त्नाव में ब्लॉक प्रमत्त्ख पद पर अजीत की दावेदारी सबसे मजबूत थी। इन सभी बातों से परेशान होकर अजीत का धाक को समाप्त करने के लिए हत्या की योजना बनाई गई थीध्‍ प्रकाश में आए सभी लोगों से होगी पूछताछॉ भेजा जाएगा नोटिसः डीसीपी ने बताया कि अब तक की छानबीन में जिन लोगों के नाम प्रकाश में आए हैं उनसे पूछताछ की जाएगी। सभी को नोटिस भेजा जाएगा। हालांकि जेसीपी ने कहीं भी पूर्व सांसद धनंजय सिंह का नाम नहीं लिया। जेसीपी ने कहा कि डा. एके सिंह के पास व्हाट्सएप कॉल आई थीॉ जिसके बाद उन्होंने शूटर को नर्सिंग होम में भर्ती किया था। एके सिंह ने बयान में कहा था कि पेट में सरिया आरपार होने की सूचना मिली थी। एक्सरे में कोई बत्त्लेट नहीं मिला थाॉ जिससे उन्हें संदेह नहीं हत्त्आ और उन्होंने राजेश तोमर को भर्ती कर लिया था। ध्‍ पूर्व सांसद समेत १५ के नाम वारदात में आए सामनेः अजीत हत्याकांड में अभी तक १४ लोगों के नाम सामने आ चत्त्के हैं। इनमें कत्त्ंटू सिंहॉ अखंडॉ गिरधारीॉ संदीपॉ अंकत्त्र सिंहॉ बंधनॉ रवि यादवॉ राजेशॉ मत्त्स्तफाॉ विपत्त्लॉ रेहानॉ प्रिंसॉ डा. निखिल और डा. एके सिंह शामिल हैं। इसके अलावा पूर्व डा. एके सिंह के बयान के आधार पर पूर्व सांसद धनंजय सिंह का नाम भी सामने आया हैध्‍।

2 घंटे ट्रैक पर फंसी मेट्रो

लखनऊ (संवाददाता)। लखनझ मेट्रो गत्त्-वार को दो घंटे ट्रैक पर फंस गई। आटोमेटिक सिग्नलिंग सिस्टम(एटीएस) में तकनीकी खराबी के चलते मेट्रो संचालन का पूरा सिग्नल ही फेल हो गया। इससे लखनझ विश्वविद्यालय स्टेशन पर मेट्रो के पहिए थम गए। खामी को पकड़ने में मेट्रो प्रशासन को करीब दो घंटे लग गए तब तक पूरे रूट पर अप और डाउन की सभी १६ ट्रेन रोक दी गईं। जहांदृ तहां ट्रैक पर पहत्त्ंची ट्रेन को रोकने से यात्री मेट्रो में ही कैद रहे। सिग्नलिंग प्रणाली के इलेक्ट्रॉनिक स्विच में गड़बड़ी से संचालन प्रभावित हत्त्आ। देर शाम करीब छह बजे समस्या दूर की जा सकी। इसके घंटे भर बाद ही संचालन सामान्य हो सका। ध्‍ एयरपोर्ट से मत्त्ंशीपत्त्लिया के बीच दोनों ओर से प्रतिदिन की तरह मेट्रो को संचालन हो रहा था। मगर दोपहर करीब साढ़ेई तीन बजे लविवि मेट्रो स्टेशन पर ट्रेन आगे नहीं बढ़ी। पहले ट्रेन ऑपरेटर ही समस्या को दूर करने में लगे रहे। इस दौरान करीब ४० मिनट तक मेट्रो खड़ी रही। यात्री परेशान होने लगे। एलएमआरसी का कोई भी अधिकारी जवाब नहीं दे पा रहा था। बाद में मेट्रो ऑपरेशन से जुड़ेइ अधिकारियों तक बात पहत्त्ंची। आननदृ फानन में ऑपरेशन व इंजीनियरिंग की टीम समस्या पता करने में लग गई। हत्त्सैनगंज में ट्रैक पर ही मेट्रो रूकने से लोग कैद होकर रह गए। ट्रेन कब तक चलेगी यह कोई नहीं बता रहा था। परेशान यात्री अपने परिवारजनों को फोन कर हाल बताने लगे। यात्रियों की ओर से दी गई सूचना के अनत्त्सार ट्रैक पर खड़ी मेट्रो को नजदीकी स्टेशन तक ले जाया गया। लविवि मेट्रो स्टेशन पर मेट्रो के आगे न बढ़ने पर कत्त्छ देर तक तो यात्री इंतजार करते रहे। लेकिन कोई जवाब न मिलने पर मेट्रो के अधिकारियों से संपर्क करना शत्त्रू कर दिया। एक यात्री की मत्त्ंबई जाने की फ्लाइट छूट गयी। लविवि स्टेशन पर दो घंटे तक फंसे रहने से समय से एयरपोर्ट नहीं पहत्त्ंच सके। लविवि की प्रोफेसर भी परेशान हत्त्ईं। हालांकि मेट्रो अधिकारियों का कहना था कि सिर्फ ४० मिनट ही संचालन बाधित रहा। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के डायरेक्टर ऑपरेशन सत्त्शील कत्त्मार की ओर से बताया गया कि सिग्नलिंग सिस्टम में खराबी के कारण ट्रेन के संचालन को २७ मिनट के लिए रोक दिया गया थाॉ जिसके कारण ट्रेनों को स्वचालित मोड के बजाय मैनत्त्अल मोड में किये जाने से ट्रेनों के संचालन में देरी हत्त्ई। जांच करने पर यह पाया गया कि सिग्नलिंग प्रणाली के इलेक्ट्रॉनिक स्विच में गड़बड़ी आ गयी थी। जिसे बाद में सत्त्धार लिया गया था। ध्‍ इस दौरान निदेशक परिचालन सहित परिचालन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी केंद्रीयकृत ऑपरेशन नियंत्रित केंद्र में स्थिति की लगातार निगरानी कर रहे थेध्‍।

पर्वतों का झोड़ा नृत्य देखकर मंत्र मुग्ध हुए दर्शक

लखनऊ (संवाददाता)।पर्वतीय महापरिषदॉ लखनझ द्वारा आयोजित १० दिवसीय उत्तरायणी कौथिगदृ२०२१ के 'आठवें दिनश अतिथियों का स्वागत महापरिषद के मत्त्ख्य संयोजक के एन चन्दोला टी एस मनरालॉ संयोजक ने पत्त्ष्प गत्त्च्छ देकर स्वागत एवं महापरिषद के अध्यक्ष गणेश चन्द्र जोशीॉ महासचिव महेन्द्र सिह रावत ने प्रतीक चिन्ह भेट कर मत्त्ख्य अतिथि ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम को विधिवत रूप से प्रारम्भ कियाध्‍ दिन के कार्यक्रमः पर्वतीय समाज के विभिन्न क्षेत्रो की महिलाओं द्वारा अपने पारम्परिक वेश भूषा में झोडा नृत्य प्रस्तत्त्त कियाॉ कत्त्मॉचल नगरदृ३ टीमें ॉ गोमती नगरदृ७ॉ कल्याणपत्त्रदृ७ॉ इन्दिरा नगरदृ१ टीमों ने सामत्त्हिक नृत्य में प्रस्तत्त्त किया । वही पंतनगर सांस्कृतिक समिति उत्तर प्रदेशॉ द्वारा पूरन सिह नयाल ने निर्देशन में सांस्कृतिक एकल व गत्त्प नृत्य की प्रस्तत्त्तियां दी जिसमें गणेश वन्दना आशिकॉ ॉअब लागत्त्लो मनाड. जान्हवीॉ गरिमा नेगीॉ घत्त्मी रे. महिमा एश्वर्यॉतनख्वा मेरी कमतनीषा रिचाॉरेनू व अनीषाॉ डीडिहाट की छोरी अशिंकाॉआयत्त्षीॉमोनिका व शीतलॉ संग हिटत्त्लो. जान्हवीॉ गरिमाॉ जागृतिॉ यशॉ कृष्णा व अनत्त्श्रीॉ तेरी लंहगा. रिया रौतेलाॉ निशा बिष्टॉ समलोनिया रूमाल. अन्तीॉ इशानाॉ तेरो नखरासृटि देवडीॉ बोल हीरा बोल. कार्तिक व मिष्टीॉ कत्त्मांझनी एवं राजस्थानी मैशप. वैशालीॉ मानसीॉ रूपाली व हर्षीॉ ठेकेदार तेरे नाना जान्हवी बिष्टॉ रणसिंगा बाजो आशिंका व माही वर्मा ने नृत्य प्रस्तत्त किया।

प्रथम सत्र में मंच संचालन आकाशवाणी में उद्घोषक रहे के सीॉ पंत व नीलम जोशी के द्वारा किया गया। कौथिग में अपराहन किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटीॉपल्मोरी मेडसिन के विभागाध्‍ यक्ष प्रो. सूर्यकांत त्रिपाठी विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित रहे कौथिग स्थल परॉ प्रतिदिन निशत्त्ल्क चिकित्सा शिविर में डा. संतोष कत्त्मार श्रीवास्तवॉ डा. वत्सलॉ डा. यूके दीक्षितॉ डा. एचएस श्रीवास्तव ने कौथिग में आये लोगों के लिए चिकित्सा सेवा प्रदान कीॉ यह जानकारी चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रभारी डा. बीएस नेगी ने दी। महापरिषद के सलाहकार जेपी डिमरी ने बताया कि जैसे दृजैसे उत्तराणी कौथिग समापन की ओर बढ रहा है वैसे वैसे दर्शको की भीड कौथिग में बढ़(रही हैध्‍ सांस्कृतिक कार्यक्रम – उत्तराखण्ड से आये मेहमान कलाकारो की सांस्कृतिक प्रस्तत्त्तियां जिसमें मल्लिका लोक सांस्कृतिक कला विकास समिति हल्द्वानी के दल की प्रस्तत्त्तियां वन्दना दृ देवी भगवती मैया तत्त् दैणा हो जाये.२ चौफत्त्लादृ गत्त्प नृत्य रै वासी का फूल.ॉ शाली बमयालीॉ झोडा चांचरी छपेलीॉ जिसके दल नायक रितेश जोशी ॉगायक कलाकार राकेश खनवाल व नृत्य कलाकारदृ ललीताॉ पूजा आर्याॉ अंजलीॉममताॉ मनोज कत्त्मारॉ संगीता आर्याॉ लोकेश लोहानी व ललित प्रसाद ने भाग लियाध्‍ कार्यालय व्यवस्था में रमेश उपाध्यायॉ आनन्द सिह भण्डारीॉ के एन पाण्डेयॉ देवेन्द्र मिश्राॉ बिशन सिह बिष्टॉ पीॉ सी पंतॉ रविन्द सिह बिष्टॉ लाल सिंहॉ भत्त्वन पाण्डेयॉ चन्द्रशेखर तिवारीॉ वी के जोशीॉ हरीश भटटॉ मोहन भटटॉ केएस रावतॉके डी पाण्डेयॉगोविन्द बोराॉ कमल सिह नेगीॉ ख्याली सिह कडाकोटीॉ हरीश काण्डपालॉ प्रेम सिह फस्वाणॉमनोज मिश्राॉ कई वरिष्ठ पदाधिकारीगण व यत्त्वा महिला पदाधिकारीगण सहयोग दे रहेध्‍।

आज से चलेगी पुरवाई बढ़ेगा तापमान

लखनऊ (संवाददाता)। एक दिन आज से पछुआ हवाओं को ध्‍ ाकेलकर पुरवाई चलनी शुरू हो जाएगी। पुरवा हवा के असर से अधि ाकतम तथा न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी होगी। पुरवा हवाओं का सबसे खराब असर फूल वाली फसलों पर पड़ेग्गा। इसके कारण माहू कीट लगने की संभवाना बढ़(जाती है। मौसम विभाग का कहना है कि तीन दिन तक पुरवाई चलेगी। इसके बात फिर वे पछुआ हवाओं को जोर बढ़ेगा। पछुआ चलने पर एक बार फिर कड़घके की ठंढ(लौटने की संभावना है। ध्‍ बीते एक सप्ताह से पछुआ हवाओं के सैर से राजधानी मेह कड़घके की ठंढ(पड़ रही है। बर्फीली हवाओं के असर से तापमान में काफी गिरावट आ गयी थी। उत्तरदृ पश्चिमी हवाओं के असर से राजध्‍ ाानी में कोल्ड डेध्‍ जैसे हालात हो गये थे। गुरुवार को तेज धूप निकलने पर ठंढ(से ठिठुर रहे लोगों को राहत मिली है। इसके कारण तापमान में भी बढ़ोतरी दर्ज की गयी है। लखनऊ का अधिकतम तापमान सामान्य तथा न्यूनतम तापमान सामान्य से १.४ डिग्री सेल्सियस अधिक हो गया है। शुक्रवार से पुरवा हवा चलनी शुरू हो जाएगी। पुरवा हवा चलने पर तापमान में बढ़ोतरी होती है। आंचलिक मौसम केन्द्र के निदेशक जे पी गुप्ता का कहना है कि तीन दिन तक पुरवा चलने के आसार हैं। इसके चलते दिन और दोनों के ही तापमान में बढ़ोतरी हो जाएगी। उन्होंने बताया कि तीन दिन बाद फिर से पछुआ हवाएलौटेंगे। पछुआवा चलने पर ए बार फिर से ठंढ(लौटेगी। ध्‍ तेज हवा ने उड़घया प्रदूषण सुधरी वायु गुणवत्ताध्‍ लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में बढ़(रहे वायु प्रदूषण को तेज पछुआ हवा ने काफी कम कर दिया है। हवा की गति तेज होने से वायु गुणवत्ता में बडइघ सुध्‍ ाार दर्ज किया गया है। राजधानी का एक्यूआई १०० प्वाइंट से भी अधिक कम होकर २६५ पर आ गया है। वायु प्रदूषण के मानकों में इसे खराब श्रेणी में जरूर रखा जाता है लेकिन जनवरी में इस सख्या को काफी सही माना जाता है। ध्‍ चार दिनों से पड़घ रहे घने कोहरे का कारण लखनऊ की वायु गुणवत्ता अत्यंत खराब स्तर पर बनी हुई थी। इससे पहले शहर की हवा क्रिटिकल हालत में भी पहुंच गयी थी।

सम्पादकीय

बाइडेन की प्राथमिकताएं

अमेरिका के ४६वें राष्ट्रपति के रूप में जो बाइडेघ्न के शपथ ग्रहण समारोह पर उनका उद्बोधन पूरी दुनिया में उत्सुकता के साथ सुना गया। अमेरिका की जनता तथा दुनिया के सामान्य श्रोता नये राष्ट्रपति को देखना और सुनना चाहते थॉ जबकि कूटनीति और रक्षा मामलों के विशेषज्ञ उन सूत्रों की तलाश में थे जो भावी प्रशासन की प्राथमिकताओं और नीतियों का संकेत दे। अवसर और समय की कमी के मद्देनजर लिखित भाषण में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय राजनीति के बारे में नये प्रशासन की नीतियों का खुलासा विस्तार से संभव नहीं था। फिर भी इससे ऐसे संकेत अवश्य मिले कि अगले चार वर्ष में नया प्रशासन किस दिशा में काम करेगा। उद्बोधन में बाइडेघ्न ने घरेलू मोर्चे पर नस्लॉ मजहबॉ राष्ट्रीयता और विचारधारा के आधार पर बुरी तरह से विभाजित अमेरिकी समाज को एकजुट करने का इरादा जाहिर किया है। हालांकि यह बाइडेघ्न के लिए सबसे बड़घी चुनौती होगी। वहीं दूसरी ओर बाइडेघ्न ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न देशों के साथ गठबंधनों के जरिये अपनी भूमिका बढ़ईाने की ओर संकेत दिया। राष्ट्रपति की ओर से शपथ ग्रहण करने के कुछ ही घंटो बाद जारी किए गए प्रशासनिक आदेशों से भी यह संदेश उभरा कि नया प्रशासन टकराव और आक्रामक व्यवहार की बजाय संयम और मेलदृमिलाप को ज्यादा महाव देता है। बाइडेघ्न ने अपने पूववर्ती ड़ोनाल्ड़ ट्रंप के कई फैसलों को पलट दिया। इनमें मुस्लिम देशों पर लगाए गए आव्रजन पर प्रतिबंध को हटाना भी शामिल है। हालांकि राष्ट्रपति बाइडेघ्न ने अपने भाषण में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न देशों के साथ अपने भावी संबंधों की चर्चा नहीं कीॉ लेकिन उन्होंने लोकतंत्र और मुक्त समाज पर जोर देकर यह जाहिर कर दिया कि दुनिया का सबसे बड़घ लोकतांत्रिक देश भारत एक प्रमुख सहयोगी देश होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी शपथ ग्रहण के तुरंत बाद बाइडेघ्न को इसी आशा और विश्वास के साथ शुभकामना संदेश भेजा कि दोनों देशों के रणनीतिक संबंध और मजबूत होंगे। हालांकि यह वास्तविकता है कि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस भारत की कश्मीर नीति की आलोचक रही हैं। इसलिए यह अनुमान लगाया जा रहा है कि नया प्रशासन जम्मूदृकश्मीर और भारत में मानवाधिकारों की स्थिति पर अधिक सक्रिय भूमिका निभाएगॉ लेकिन इस बात की संभावना कम है कि बाइडेघ्न मोदी सरकार को अप्रसन्न करने का कोई जोखिम उठाएंगे।

सच की रक्षा करने का जो आह्वान बाइडेन ने किया है उसमें पूरी दुनिया शामिल हो

बाइडेन के सामने चुनौतियाँ बहुत बड़ी–बड़ी हैं लेकिन वह उन पर खरा उतरने का माद्दा रखते हैं।

इसको दो उदाहरणों के जरिये समझते हैं। पहला– जो बाइडेन बराक ओबामा के कार्यकाल में आठ साल तक अमेरिकी उपराष्ट्रपति रह चुके हैं इसलिए प्रशासन की बारीकियों को बेहद करीब से जानते हैं।

अमेरिका में ट्रंप युग का समापन और बाइडेन युग की शुरुआत धूमध ाड़ाके के साथ हुई है। अमेरिका ने ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया ने डोनाल्ड ट्रंप जैसे सनकी नेता से श्लोकतंत्र की ताकतश के बलबूते ही निजात पाई है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में भले जो बाइडेन की जीत हुई थी लेकिन वहाँ चुनावों से पहले ही यह दिख रहा था कि अमेरिकी जनता अपनी उस गलती को सुधारने के लिए आतुर है जो उसने 2016 के राष्ट्रपति चुनावों के वक्त कर दी थी। चार साल के अपने कार्यकाल में डोनाल्ड ट्रंप ने जिस सनकीपने से अमेरिका को चलाया उसने दुनिया के इस सबसे समृद्ध और विकसित देश को वर्षों पीछे धकेल दिया। ट्रंप ने अपने मनमाने फैसलों की बदौलत अमेरिका को दुनिया में अलग–थलग तो कर ही दिया था साथ ही अपने कार्यकाल के पहले दिन से लेकर अंतिम समय तक मंत्रियों व अधिकारियों को अचानक ही बर्खास्त कर देने, अधिकारियों पर गलत कार्य के लिए दबाव बनाने, चुनावों में हार नहीं मानने, असत्य बोलने का रिकॉर्ड बनाने, राष्ट्रपति चुनावों में विजेता को औपचारिक रूप से बधाई नहीं देने, सोशल मीडिया पर अमेरिकी राष्ट्रपति को प्रतिबंधित कर दिये जाने, दो–दो महाभियोग झेलने वाला पहला अमेरिकी राष्ट्रपति बनने, लोकतंत्र पर भीड़तंत्र के जरिये कब्जा करने का नाकाम प्रयास करने का जो इतिहास अपने नाम पर दर्ज करवाया है वह अमेरिका के लिए सदैव शर्म का विषय बना रहेगा।

बाइडेन के समक्ष कई बड़ी चुनौतियाँ

बाइडेन ने बतौर अमेरिकी राष्ट्रपति अपने पहले भाषण में लोकतंत्र की सर्वोच्चता कायम रखने सहित जो भी बातें कही हैं, उन पर उन्हें खरा उतरना ही होगा क्योंकि उनकी ताजपोशी कोई सामान्य स्थिति में नहीं हुई है। बाइडेन को कमान ऐसे समय मिली है जब दुनियाभर में विश्व का सबसे पुराने लोकतंत्र अमेरिका मखौल का विषय बना हुआ है। बाइडेन को कमान ऐसे समय मिली है जब अमेरिका यूनाइटेड नहीं डिवाइडेड स्टेट्स नजर आ रहा है। बाइडेन को कमान ऐसे समय मिली है जब दुनियाभर में कोरोना के मामले उतार पर हैं लेकिन अमेरिका में महामारी अपने चरम पर बरकरार है। बाइडेन को कमान ऐसे समय मिली है जब विश्व के अन्य देशों की मदद करने वाले अमेरिका की अर्थव्यवस्था डांवाडोल है। बाइडेन को कमान ऐसे समय मिली है जब दुनियाभर में नये–नये वैश्विक मंच बन रहे हैं और अमेरिका पुराने वैश्विक मंचों से कट चुका है।

बाइडेन के सामने चुनौतियाँ बहुत बड़ी–बड़ी हैं लेकिन वह उन पर खरा उतरने का माद्दा रखते हैं। इसको दो उदाहरणों के जरिये समझते हैं। पहला– जो बाइडेन बराक ओबामा के कार्यकाल में आठ साल तक अमेरिकी उपराष्ट्रपति रह चुके हैं इसलिए प्रशासन की बारीकियों को बेहद करीब से जानते हैं। यही नहीं जरा 3 नवंबर 2020 के बाद के हालात से अब तक के घटनाक्रम पर गौर करिये। राष्ट्रपति चुनाव परिणाम आने के बाद से डोनाल्ड ट्रंप इस बात पर अड़े हुए थे कि चुनाव में धांधली हुई है और वह इसे स्वीकार नहीं करेंगे। ट्रंप ने यह भी कहा कि वह परिणामों को अदालत में चुनौती देंगे। ट्रंप ने यह भी कहा कि वह बाइडेन को व्हाइट हाउस में घुसने नहीं देंगे। ट्रंप रोजाना बाइडेन के खिलाफ अनर्गल बातें तो करते ही रहे साथ ही चुनाव परिणामों को भी नकारते रहे जबकि राज्यों के चुनाव अधिकारी ट्रंप की टीम द्वारा दर्ज कराई गयी आपत्तियों को सुबूतों के अभाव में खारिज करते रहे। ट्रंप ने इलेक्टोरल कॉलेज की गिनती में भी बाधा डलवाने के कथित प्रयास किये लेकिन बाइडेन एक मंझे हुए राजनीतिज्ञ की तरह धैर्य से सारी स्थितियों का सामना करते रहे। वह ट्रंप पर आक्रामक नहीं हुए क्योंकि उन्हें लोकतंत्र की ताकत पर भरोसा था, उन्हें अमेरिकी संविधान पर भरोसा था। ट्रंप के गुस्से का जवाब बाइडेन ने जिस प्यार से दिया है उसी प्यार से उन्हें ट्रंप समर्थकों का दिल भी जीतना होगा क्योंकि जाते–जाते भी ट्रंप विभाजन की रेखा खींच गये हैं।

कमला हैरिस का विश्वास

इसके अलावा कमला देवी हैरिस ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति बन कर जो इतिहास रचा है उससे ना सिर्फ सभी भारतीय बल्कि दुनियाभर में बसे भारतवंशी भी गौरवान्वित हुए हैं। महिला, अश्वेत, विदेशी मूल आदि तमाम बाधक तत्वों पर विजय पाते हुए कमला देवी हैरिस ने जो कर दिखाया है वह अभूतपूर्व है। कमला हैरिस ने पदभार ग्रहण करते हुए जिस आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया है वह बेहतर भविष्य की झलक दिखाता है। मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने जिस प्रकार नस्ली एवं आर्थिक न्याय के लिए लड़ाई लड़ी उस कड़ी को निश्चित रूप से कमला हैरिस आगे ले जाएंगी।

मीडिया को भी आत्ममंथन करने की जरूरत है

डोनाल्ड ट्रंप जैसे व्यक्ति सर्वोच्च पद तक यदि पहुँचते हैं तो उसमें मीडिया का भी बड़ा हाथ होता है। वैसे बतौर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मीडिया के साथ सहज रिश्ते शुरुआत से ही नहीं रहे और सोशल मीडिया कंपनियों ने तो ट्रंप पर प्रतिबंध लगा कर नया इतिहास ही रच दिया। लेकिन इस समय वाहवाही लूट रही इन अमेरिकी मीडिया कंपनियों से यह भी पूछा जाना चाहिए कि ट्रंप का इतना बड़ा कद बनाया किसने था। 2016 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों के दौरान मीडिया विभाजित नजर आ रहा था और खुले तौर पर एक वर्ग हिलेरी क्लिंटन और एक वर्ग डोनाल्ड ट्रंप के साथ नजर आ रहा था। अचानक से एक अराजनीतिक व्यक्ति को ना सिर्फ मीडिया ने अपने सिर पर बैठा लिया था बल्कि अमेरिका की बड़ी पार्टी ने भी उन्हें नेता के रूप में स्थापित करने में मदद कर दी जिसका अंजाम पूरी दुनिया ने भुगता। डोनाल्ड ट्रंप प्रकरण से दुनियाभर के मीडिया को सबक लेने की जरूरत है। जैसे मीडिया जनता के बीच यह जागरूकता फैलाता है कि सोच समझकर अपना वोट दें या सही प्रत्याशी को ही चुनें, इसी प्रकार मीडिया को भी नेता बनने के आकांक्षी लोगों की कवरेज के समय बहुत सोच समझकर काम करना चाहिए। क्योंकि किसी को भी रातोंरात श्बड़ाश् बना देने का अंजाम कई बार बहुत बुरा होता है।

बहरहाल, जो बाइडेन ने अपने कार्यकाल के पहले दिन जिन 15 कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किये उनसे साफ हो गया है कि वह अपना पूरा ध्यान अमेरिकी जनता से किये गये वादों को पूरा करने में लगाने वाले हैं। बाइडेन के शुरुआती फैसलों की बात करें तो उन्होंने 100 दिन मास्क लगाने, पेरिस जलवायु समझौते में अमेरिका के फिर से शामिल होने, डब्ल्यूएचओ में अमेरिका की वापसी, मुस्लिम देशों के लोगों की अमेरिका यात्रा पर लगे प्रतिबंध को हटाने सहित मैक्सिको सीमा पर दीवार निर्माण पर तत्काल रोक लगाना आदि शामिल हैं। उम्मीद है आने वाले दिनों में बाइडेन विदेश और राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित ट्रंप प्रशासन के कई बड़े फैसलों को पलटेंगे या उनमें संशोधन करेंगे। हालांकि बाइडेन को यह भी ध्यान रखना होगा कि सिर्फ ट्रंप के फैसलों को पलटने से काम नहीं चलेगा बल्कि अमेरिका के माहौल को पूरी तरह बदलना होगा। वैसे सच की रक्षा करने और झूठ को हराने का जो आह्वान बाइडेन ने किया है उसमें पूरी दुनिया को शामिल होने की जरूरत है।

अब डरो ना वैक्सीनेशन आज है ना

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में कोरोना वैक्सीनेशन के दूसरे चरण में शुक्रवार को निजी व सरकारी मिलाकर कुल ३५ अस्पतालों में ८\‍५०० लाभार्थियों का टीकाकरण किया जाएगा। इस बार लाभार्थियों की संख्या ज्यादा है। बलरामपुर अस्पताल में पिछली बार सिर्फ सौ लाभार्थी थे लेकिन इनकी संख्या ३०० निर्धारित की गयी है। इसी प्रकार अन्य अस्पतालों में संख्या बढ़ायी गयी है। सभी सेन्टरों पर पूर्वाह्न १० से सायं ५ बजे तक वैक्सीनेशन किया जाएगा। ध कोरोना टीकाकरण में कोविशील्डदृकोवैक्सीन दोनों प्रकार की शामिल की गयी हैं। बृहस्पतिवार को जनपदीय वैक्सीन स्टोरेज प्वाइंट से २० कोल्ड चेन प्वाइंट पर वैक्सीन भेज दी गई। अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा. एमके सिंह ने बताया कि ऐशबाग में जनपदीय वैक्सीन स्टोरेज सेंटर बनाया गया है। इसके अलावा विभिन्न सीएचसी पर कोल्ड चेन प्वाइंट हैं। वैक्सीन वाहन पुलिस की कड़ी सुरक्षा में रवाना किया गया। सभी कोल्ड चेन प्वाइंट पर भी पुलिस का पहरा बढ़ा दिया गया है। इन कोल्ड चेन प्वाइंट से शुक्रवार को सुबह आठ बजे से अस्पतालों में वैक्सीन पहुंचेगी। जिन कोल्ड चेन प्वाइंट पर वैक्सीन पहुंचायी गयी हैं उनमें सरोजनी नगरॉ अलीगंजॉ चिनहटॉ मलिहाबादॉ मालॉ मोहनलालगंजॉ छितवारपुरॉ बीकेटीॉ गोसाईगंजॉ गुडंबाॉ काकोरीॉ सेवा सदनॉ ऐशबागॉ आलमबागॉ इंदिरा नगरॉ सिल्वर जुबलीॉ टुडियागंजॉ इटौंजाॉ नगरामॉ एनके रोड सीएचसी पर पर कोल्ड चेन प्वाइंट बनाए गए हैं। इन केन्द्रों से सुबह आठ बजे तक वैक्सीन ३५ अस्पतालों में पहुंचायी जाएगीॉ इनमें किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू)ॉ पीजीआईॉ लोहिया संस्थानॉ बलरामपुर अस्पतालॉ वीरांगना अवंतीबाई अस्पताल में टीकाकरण का दोबारा सत्र लगेगा। इसके अलावा महानगर स्थित बीआरडीॉ कानपुर रोड़ स्थित लोकबंधु अस्पतालॉ पार्क रोड़ स्थित सिविल अस्पतालॉ हजरतगंज स्थित झलकारी बाई अस्पतालॉ राजाजीपुरम स्थित आरएलबी अस्पतालॉ आरएसएम साढ़ामझ में पहली बार वैक्सीनेशन होगा। दूसरी तरफ चिनहटॉ मालॉ मोहनलालगंज के अलावा सरोजनी नगरॉ अलीगंजॉ मलिहाबादॉ छितवारपुरॉ बीकेटीॉ गोसाईगंजॉ गुडंबाॉ काकोरीॉ सेवा सदनॉ ऐशबागॉ आलमबागॉ इंदिरा नगरॉ सिल्वर जुबलीॉ टुडियागंजॉ इटौंजाॉ नगरामॉ एनके रोड सीएचसी पर पहली बार टीकाकरण होगा। वहीं चिनहट के महात्मा गांधी अस्पताल में भी टीकाकरण सत्र चलेगा। निजी अस्पताल में गोमतीनगर स्थित सहारा हास्पिटलॉ दुबग्गा स्थित एरा मेडिकल कालेजॉ शहीद पथ स्थित मेदांता हास्पिटल व सरोजनीनगर स्थित टीएसमिश्रा मेडिकल कॉलेज में वैक्सीनेशन किया जाएगा। ध तीन अस्पतालों में कोवृ वैक्सीन का लगेगा टीकाः तीन अस्पतालों में कोवैक्सीन लगायी जाएगी। इसके अलावा अन्य अस्पतालों में कोविशील्ड की डोज दी जाएगी। कोवैक्सीन वाले अस्पतालों में सिविल अस्पताल में २०४ॉ लोकबंधु अस्पताल में ३४३ और आरएलबी अस्पताल में ४२८ हेल्थ वर्कर को वैक्सीन लगेगी। खास बात यह है कि एक लाभार्थी को एक ही कम्पनी की दोनों बार डोज लगेंगी। इसका ब्यौरा वैक्सीन कार्ड पर लिखा जाएगाध। पोर्टल सिस्टम अपडेटॉ लाभार्थियों को मिला संदेश : पोर्टल सिस्टम भी अपडेट किया गया है। इसमें कौन सी वैक्सीन लगी। इसका भी मैसेज लाभार्थियों को भेजा गया है। इसके अलावा पंजीकृत लाभार्थियों में गर्भवती व प्रसूता का नाम भी हटाया जा रहा है। वैक्सीन संबंधी किसी भी दिक्कत या जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर जारी किया गया है। टोल फ्री नंबर १८००१८०५१४५ पर संपर्क किया जा सकता है। इसके अलावा कोविड कंट्रोल रूम पर भी वैक्सीनेशन से जुड़ी सहायता मिलेगी। इसके नम्बर ०५२२दृ४५२३००० पर संपर्क करें। ध वैक्सीनेशन में शामिल न होने वाले लाभार्थी को नहीं मिलेगा दूसरा मौकाः १६ जनवरी को वैक्सीनेशन में लगभग ४०० से अधिक स्वास्थ्य कर्मियों ने वैक्सीन नहीं कराया था। जिन्हें दूसरे चरण में मौका दिया गया है लेकिन इस बार जो भी लाभार्थी वैक्सीनेशन नहीं करवाएगा उसे अब दूसरा मौका नहीं मिलेगा। मुख्य चिकित्साधिकारी डा. संजय भटनागर ने बताया कि वैक्सीन की दूसरी डोज भी उसी वैक्सीन ब्रंड की होनी चाहिएॉ जिसकी लाभार्थी को पहली डोज लगी हो। इसके अलावा वैक्सीन १८ वर्ष से कम आयु वर्ग को नहीं दी जाएगी। पिछली डोज में लाभार्थी को यदि एनॉफिलेक्सिस या एलर्जिक रिएक्शन हुआ है उसे वैक्सीन नहीं दी जाएगीध। कोल्ड चेन प्वाइंट पर भी पुलिस का पहराॉ सुबह ८ बजे भेजी जाएगी वैक्सीनध २८ व २६ जनवरी को भी होगा टीकाकरण ।

प्रदेश को इलेक्ट्रिक बसों का तोहफा

लखनऊ। प्रदेशवासियों के लिए अच्छी खबर है कि मत्त्य्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर लखनझ समेत प्रदेश के १४ शहरों में इलेंट्रिक सिटी बसों का संचालन एक ही प्राइवेट ऑपरेटर करेगा। बस संचालन के पूरी रूपरेखा तैयार हो गई है। बस ऑपरेटर से १० साल का करार भी हो गया है। चार्जिंग प्वाइंट भी तैयार किये जा रहे हैं। जत्त्लाई से १४ शहरों में इलेंट्रिक एसी बसों का संचालन शत्त्रू हो जाएगा। ध पहले सूबे में इलेंट्रिक एसी बसों का संचालन राज्य सरकार ने करने का निर्णय लिया था। अब प्रदेश के १४ शहरों में ७०० सिटी बसें प्राइवेट ऑपरेटर को चलाने को दिया गया है। इस तरह की व्यवस्था देश के कई राज्यों व अन्य शहरों में लागू है। १४ शहरों में चलने वाली सिटी बसों के लिए प्राइवेट ऑपरेटर से करार हो गया है। ऑपरेटर से बस चलाने का दस साल का करार भी हो चुका हैं। निजी बस ऑपरेटर को प्रतिदिन १८० किलोमीटर इलेंट्रिक सिटी बस चलाना होगा। रोडवेज की अनत्त्बंधित बसों की तर्ज पर प्रति किलोमीटर से भत्त्गतान होगा। बस ऑपरेटर के होगाॉ रखरखाव उसी को करना होगा और ड्राइवर भी उसी का होगा। कंडक्टर सिटी बस कंपनी का होगा। इन बसों का संचालन स्पेशल परपज व्हीकल (एसपीवी) के जरिए किया जाएगा। जैसे लखनऊ में इन बसों का संचालन सिटी बस ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड के हवाले होगा। वर्तमान में यही कंपनी लखनऊ में सिटी बसों का संचालन कर रही है।नगरीय परिवहन निदेशालय के संयुक्त निदेशक अजीत सिंह ने बताया कि इलेंट्रिक सिटी बसों के संचालन के लिए सारी औपचारिकताएं पूरी हो गयी हैं। इन दिनों लखनझ में पांच दत्त्बगॉ पी फोर पार्किंगॉ राजाजीपत्त्रमॉ विराजखंड और राम राम बैंक में चार्जिंग प्वाइंट बन रहे हैं। इसके अलावा १३ अन्य शहरों में भी चार्जिंग प्वाइंट तैयार किया जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जत्त्लाई तक इलेंट्रिक बसों का संचालन १४ शहरों में शत्त्रू हो जाएगा। केंद्र सरकार देगी बस पर ४५ लाख की सब्सिडीः इलेंट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने व्यापक कदम उठाए हैं। शहरों में प्रदूषण को कम करने के लिए केंद्र सरकार का ÷झान इलेंट्रिक बसों के संचालन पर है। निजी बस ऑपरेटर को प्रत्येक बस के खरीदने पर केंद्र सरकार ४५ लाख की सब्सिडी देगी। राज्य सरकार ऑपरेशन और रखरखाव का खर्चा निजी ऑपरेटरों को देगी। गुरुग्राम में बन रहीं इलेंट्रिक सिटी बसेंः प्रदेश के १४ जिलों में चलने वाली ७०० इलेंट्रिक सिटी बसों का निर्माण गत्त्÷ग्राम के निकट पीएमआई कंपनी में किया जा रहा है। चार्जिंग प्वाइंट तैयार होने के बाद इलेंट्रिसिटी बसों के आने का सिलसिला शत्त्रू हो जाएगा। जत्त्लाई से पहले ७०० बसों का निर्माण हो जाएगा। इससे पहले चार इलेंट्रिक एसी बसें ट्रायल के लिए आएगी। उल्लेखनीय है कि इसी कंपनी को १४ शहरों में इलेंट्रिक सिटी बसें चलाने का ठेका दिया गया हैध।

‘सेटिंग’ में लगा बाग काटने का आरोपी

लखनऊ (संवाददाता)। काकोरी क्षेत्र में अवैध रूप से काटे गये ११६ आम के पेड़धें के मामले में गुरु□वार को भी मुख्य आरोपित प्रापर्टी डीलर अवध राम यादव पुलिस व वन विभाग की टीम की पकड़ध से दूर रहा। सूत्र बताते हैं कि प्रापर्टी डीलर इस मामले को शांत कराने के लिए श्सेटिंगश में लगा हुआ है। खास बात यह है कि छह बीघे आम की बाग कटने जैसे बडझ़ी मामला होने के बावजूद वन महकमा कार्रवाई को लेकर सुस्त हो गया है। ध काकोरी क्षेत्र के सैदपुर गांव में आउटर रिंग रोड के नजदीक पारा निवासी प्रापर्टी डीलर राम अवध यादव ने अवैध तरीके से स्थानीय वन व पुलिस कर्मियों से सांठगांठ कर करीब छह बीघा आम की बाग काटा ड़ाली थी। मीडिया में मामले उछलने के बाद रेंज अफसर ने काकोरी थाने में ११६ पेड़ो की कटान के मुख्य आरोपित पारा के कुल्हड़ कटा गांव निवासी प्रॉपर्टी डीलर अवध राम यादव और बाग मालिक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। बौर से लदे हुए छह बीघे आम की बाग कटने के मामले में वन विभाग द्वारा कुछ इस तरह से कार्रवाई की जा रही है जो अमूमन एकदृ दो पेड़ काटने वालों के साथ की जाती है। इस तरह अवैध रूप से इतने बड़े पैमाने पर पेडों को काटने वाले प्रॉपर्टी डीलर अवधराम यादव के खिलाफ सिर्फ वन संरक्षण अधिनियम के तहत मामले को हल्का किया जा रहा है। इस मामले में बाग कटवाने में संलिप्त कर्मचारियों के खिलाफ भी अभी तक किसी भी प्रकार की कार्रवाई नहीं की गयी हैध। जिन पर संलिप्तता का आरोपॉ वही कर रहे हैं जांचः बहुजन आवाम पार्टी महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष नीलम सरोज ने वन विभाग की जांच पर सवाल उठाते हुए कहा है कि आम के पेड़ईं की अवैध कटान मामले में काकोरी वन क्षेत्र के कर्मचारियों पर प्रापर्टी डीलर के साथ संलिप्तता के आरोप है। आरोप लगने के बावजूद इसी क्षेत्र के रेंजर को मामले की जांच दी गयी है। इससे वन विभाग के मंशा पर भी सवालिया निशान लग रहे है। ध नीलम सरोज ने मांग की है कि इस प्रकरण की किसी अन्य अधिकारी से जांच कराकर अवैध कटान में संलिप्त कर्मचारियों के खिलाफ कडझ़ी कार्रवाई की जाए।

ऑनलाइन कार इंश्योरेंस पड़ा भारी

लखनऊ (संवाददाता)। चाचा जीॉ आगे पुलिस चेकिंग कर रही है और आप सोना पहनकर घूम रहे हैं। उतारकर रख लीजिएॉ वरना चालान हो जाएगा। कृष्णानगर इलाके में कुछ ऐसा ही झांसा देकर बाइक सवार दो उचक्कों न बुजुर्ग को बातों में फंसाया। सोने का कड़ध व अंगूठी उतरवाकर कागज में लपेटी और फिर पुडिध्या बनाकर थमा दी। इसी तरह तालकटोरा में पुलिसकर्मी बन उचक्के बुजुर्ग का सोने का कड़ध लेकर फुर्र हो गयेध। कृष्णानगर के आलमबाग अर्जुननगर में इकबाल सिंह परिवार के साथ रहते हैं। उनके पिता निरंजन सिंह (८५) मंगलवार की दोपहर कमेटी हॉल स्थित जेपी स्टेशनरी दुकान पर बैठे थे। करीब पौने दो बजे वे स्कूटी से घर जाने के लिए निकले। जैसे ही वे मॉस्टर मोटर ट्रेनिंग के पास पहुंचॉ तभी बाइक सवार दो युवकों ने ओवरटेक कर रोका। कहा कि चाचा जीॉ आप सोने का कड़ध व अंगूठी पहने हो। इसे उतारकर रख लीजिएॉ आगे पुलिस चेकिंग कर रही हैध। आपने मॉस्क भी नहीं पहना हैॉ जिसपर चालान हो जाएगा। यह सुनकर निरंजन सिंह घबरा गये। उन्होंने कड़ध व दो अंगूठी उतारीॉ तभी उचक्कों ने एक कागज लपेटकर रखने के लिए दिया। निरंजन सिंह पुडिध्या डिध्गी में रखने लगॉ तभी उचक्के ने बातों में फंसाकर पुडिध्या बदलकर डिध्गी में रख दिया। आगे जाकर निरंजन सिंह ने पुडिध्या खोली तो पैरों तले जमीन खिसक गयीध। पुलिस ने लोहे का कड़ध व पत्थर का टुकड़ध था। घर पहुंचकर उन्हेंने आपबीती परिजनों को बतायी। बेटे इकबाल सिंह ने कंट्रोल रूम पर सूचना दी। पुलिस ने छानबीन कर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर महेश कुमार दुबे ने बताया कि घटनास्थल के आसपास के सीसी फुटेज खंगाले जा रहे हैध। वहीॉ राजाजीपुरम के ईदृब्लॉक निवासी प्रीतम सिंह (६५) गुरुवार दोपहर दुर्गा पूजा पार्क के पास टहलने निकले थे। बाइक सवार युवक ने उन्हें रोका। खुद को पुलिसकर्मी बता सामने खड़ेध साहब के पास ले गया। इसी बीच तीसरा साथी भी वहां आ गया। तीनों ने बैंक में ड़कैती की बात कहकर चेकिंग की बात कही और जेवर उतारकर रखने की नसीहत दीध। प्रीतम सिंह ने सोने का कड़ध उतारा और कागज में लपेटकर थमा दिया। बाद में बुजुर्ग ने पुडिध्या खोलकर देखी तो प्लास्टिक का कड़ध मिला। पुलिस घटनास्थल के आसपास के सीसी फुटेज की मदद से पड़धताल कर रही हैध। कृष्णानगर व तालकटोरा थाना क्षेत्र में हुई वारदातॉ पीडिध्तों ने दर्ज करायी रिपोर्टध गंवाए ३० हजारॉ जालसाज ने जाली इंश्योरेंस प्रमाण पत्र भी भेजाॉ गौतमपल्ली में मुकदमाध लखनऊ (संवाददाता)। ऑनलाइन दो कार का बीमा कराने के फेर में गौतमपल्ली का शख्स ठगी का शिकार हो गया। जालसाजों ने बीमा कम्पनी का कर्मचारी बन करीब ३० हजार रु□पये खातों में ऐंठ लिए। यही नहीं आरोपित ने जाली इंश्योरेंस प्रमाण पत्र भी भेज दिया। गौतमपल्ली पुलिस मामले की जांच कर रही हैध। गौतमपल्ली इलाके में लाल बचन यादव परिवार के साथ रहते हैं। उन्होंने बताया कि उनकी इनोवा कार का इंश्योरेंस २८ अक्टूबर २०२० को खत्म होना था। लिहाजा २७ अक्टूबर को पॉलिसी बाजार द्वारा ईफको टोकिओ के माध्यम से दोबारा इंश्योरेंस कराया। जिसकी पुष्टि टोल फ्री नम्बर द्वारा की गयी और बीमा के २२ॉ६३४ रुपये दीप्ति के एक्सिस बैंक खाते में ट्रांसफर किये। इसके बाद ऑनलाइन इंश्योरेंस प्रमाण पत्र भी मिल गयाध। लाल बचन ने दूसरी कार स्विफ्ट का बीमा भी उसी कम्पनी से कराया और ७ हजार रुपये ट्रांसफर किये। इस दौरान दो मोबाइल नम्बर पर बात भी हुई। फोन के पीछे मौजूद युवती ने अपना नाम ज्योति मिश्रा बतायाध। दूसरी पॉलिसी कराने पर इफको टोकियो से बात करने पर पता चला कि दोनों गाडिध्यों का बीमा कम्पनी द्वारा नहीं किया गया है। बीमा के नाम पर करीब ३० हजार की ठगी का एहसास होने पर पीडिध्त ने गौतमपल्ली थाने में बुधवार को धोखाधड़ध व आईटी एक्ट की रिपोर्ट दर्ज करायी हैध। इंस्पेक्टर आलोक कुमार राय ने बताया कि साइबर क्राइम सेल की मदद से पड़धताल की जा रही हैध।

आश्रय केन्द्रों में भूखे मर रहे बेजुबान

इटौंजा–लखनऊ (संवाददाता)। इटौंजा क्षेत्र के पशत्त आश्रय केंद्रों के निर्माण पर सरकार ने लाखों ÷पए खर्च किए उसके बावजूद भी मवेशियों के लिए न तो चारे का प्रबंध है और न ही छाया न पानी की व्यवस्था है पशत्त आश्रय केंद्र में ठंड और कोहरा से अपनी जान बचाने के लिए पेड़ का आश्रय ले रहे हैं आश्रय केंद्रों पर पशत्तओं को चारा न मिलने से भूखे मर रहे हैं। इटौंजा क्षेत्र के पशत्त आश्रय केंद्र भगवतीपत्त्र ढिलवासी में न तो चारा का प्रबंध है केंद्र में पानी की व्यवस्था नहीं है छाया के नाम पर सिर्फ एक टीन शेड खड़ा है जबकि यहां पर १०० से अधिक पशत्त हैं जो जाड़े की ठंड से कांप रहे हैं दर्जनों मवेशी पशत्त आश्रय केंद्र के एक कोने में दत्त्बके बैठे खड़े रहते हैं चारे की कमी से अधिकांश मवेशी दत्त्बले हो गए हैं उनको चलना उठना बैठना मत्त्हाल हो गया है पशत्तओं में खत्त्र पका की बीमारी बढ़ रही है कोई इलाज के लिए डॉक्टर तक नहीं आतेद्य। ऐसा ही हाल पशत्त आश्रय केंद्र भगवतीपत्त्र परसहिया उसरना तथा अन्य गांव में बने पशत्त आश्रय केंद्र का है इस क्षेत्र में इंदारा महिगवा सहादत नगर गढ़ा किशत्त्नपत्त्र उसरना भगवतीपत्त्र मंडौली नगर पंचायत इटौंजा सहित १ दर्जन से अधिक केंद्र हैं। कई पशत्त केंद्रों से टैग लगे हत्त्ए पशत्त बाहर घूम रहे हैं उनको भरपेट चारा नहीं मिलता है जिला समन्वयक मनरेगा ने बताया कि १६ पशत्त आश्रय केंद्र जिन के निर्माण में मनरेगा के तहत एक करोड़ २०००००० ÷पए की धनराशि खर्च की गई इसके बावजूद भी पशत्त आश्रय केंद्रों की दशा बेहाल है। प्रत्येक पशत्त आश्रय केंद्र को प्रति पशत्त रु□. ३० प्रतिदिन चारा के मिलते हैं पर भगवतीपत्त्र पशत्त आश्रय केंद्र में एक भी जानवर नहीं है और पशत्तओं का पैसा पता नहीं कहां चला जाता है जब इस संबंध में ग्राम विकास अधिकारी से जानकारी की गई तो उन्होंने बताया कि पशत्तओं को भरपेट चारा दिया जाता है लेकिन हकीकत पशत्त आश्रय केंद्र को देखकर ज्ञात हो जाती है ऐसे कड़ाके की ठंड में पशत्त बेहाल है पर उनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं है। एडिशनल कमिश्नर की जांच के बावजूद नहीं बदले आश्रय केंद्रों के हालात) पशत्त आश्रय केंद्र भगवतीपत्त्र ढिलवासी शहादत गढा उसरना व अन्य पशत्त केंद्रों की हालत नहीं बदल सकी उसरना में कई पशत्तओं की मौत हो चत्त्की है पर उनकी कोई देखभाल करने वाला नहीं है वे घास के तिनके बीनकर अपना जीवन की रक्षा कर रहे हैं। ३ डॉक्टर चार पशत्त्धन प्रसार अधिकारियों के सहारे १६ पशत्त आश्रय केंद्र) पशत्त चिकित्सालय इटौंजा के डॉक्टर ने बताया की पशत्त आश्रय केंद्र की मानिटरिंग वा बीमार पशत्तओं की देखभाल के लिए ३ पशत्त चिकित्सा अधिकारी व ४ पशत्त्धन प्रसार अधिकारी को लगाया गया है लेकिन इतने कम स्टाफ के चलते पशत्तओं की चिकित्सा व देखरेख राम भरोसे है पशत्त आश्रय केंद्र की जानकारी जब खंड विकास अधिकारी पूजा सिंह से संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया क्षेत्र में २० पशत्त आश्रय केंद्र हैं।

कृष्णानगर व गाजीपुर में पकड़े गये 4 चोर

लखनऊ (संवाददाता)। कृष्णानगर पुलिस ने दो शातिर चोरों को वीआईपी रोड़ पकरी पुल से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के पास से चोरी के दो मोबाइलों तमंचा व कारतूस बरामद किया है। वहीं गाजीपुर पुलिस ने बंद मकान में चोरी करने वाले दो चोरों को दबोचा है। आरोपितों के पास से स्मैकों नकदीं तारों पाइप व बैटरी बरामद की हैद्य। इंस्पेक्टर कृष्णानगर महेश कुमार दुबे ने बताया कि आरोपितों ने अपना नाम आशिक थारू निवासी तालकटोरा हालपता नटबस्ती आजादनगर कृष्णानगर व राहुल निवासी द्द रमंगतखेड़ध मोहनलालगंज बताया। पड़घ्ताल में सामने आया कि आरोपितों ने १५ दिसम्बर को चोरी की थीद्य। वहीं गाजीपुर इंस्पेक्टर प्रशांत कुमार मिश्रा ने बताया कि आरोपित सलमान उर्फ बुग्गा निवासी बहराइच व राशिद अली उर्फ मोनू निवासी पुराना महानगर को पकड़घ गया है। आरोपितों ने ८ जनवरी को एदृ ब्लॉक निवासी अनुराग राजपूत के बंद मकान में चोरी की थीद्य। चोरी के दो मोबाइल तमंचॉ नकदी व वॉयर बरामदद्य प्रिंसिपलों उनकी बहन समेत चार लोगों ने दर्ज करायी थी रिपोर्टद्य पीएम आवास योजना के नाम पर ठगी करने वाला जालसाज गिरफ्तारद्य लखनऊ (संवाददाता)। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निजी कम्पनी खोल मकान दिलाने का झांसा देकर लाखों की ठगी करने वाले जालसाज को विकासनगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपित ने टीड़ी गर्ल्स कालेज की प्रिंसिपल व उनकी बहन समेत चार लोगों से ठगी की थी। पुलिस मामले के दूसरे आरोपित की तलाश कर रही हैद्य।

डीसीपी रईस अख्तर ने बताया कि इंस्पेक्टर अनिल कुमार व उनकी टीम ने आरोपित मो. उबैद को पकड़घ है। यह मूलरूप से आजमगढ़{ के दीदारगंज का रहने वाला है। आरोपित उबैद व अशफाक टेढ़ी पुलिया के खान प्लाजा में रिवाइवेल इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड़ नाम से कम्पनी चलाते थे। आरोपितों के खिलाफ प्रिंसिपल लप्मी सिंह व उनकी बहन सुधा सिंह ने ५.०३ लाख हड़घ्पने का आरोप लगाया था। आरोप है कि आरोपित दोनों महिलाओं को आवासीय योजना की साइट पर ले गये और कहा कि इसी प्रोजेक्ट के पीएम आवास योजना के मकान बनने हैं।

जिसमें आप आवास इस पर सुधा सिंह ने ३.५१ लाख व लप्मी सिंह ने १.५२ लाख रु□पये का भुगतान किया। आरोपितों के खिलाफ १७ जनवरी को विकासनगर थाने में मुकदमा दर्ज हुआ था। इंस्पेक्टर अनिल कुमार ने बताया कि इन्दिरानर निवासी कुंती ने १.५६ लाख की ठगी की रिपोर्ट ५ दिसम्बर व सीतापुर के सत्यप्रकाश मिश्रा ने ३० मार्च को रिपोर्ट दर्ज करायी थीद्य।

ऑनलाइन ड्रेस खरीदने के फेर में युवती के खाते से उड़घए 89 हजार

लखनऊ (संवाददाता)। नारीलुक ड़ॉट कॉम पर ऑनलाइन ड्रेघ्स लेने के फेर में युवती ठगी का शिकार हो गया। सीओड़ी कर युवती ने ड्रेघ्स ली। खराबी के चलते कस्टमर केयर पर कॉल की तो जालसाज ने रुपये वापस करने का झांसा देकर खाते से ८६ हजार रुपये पार कर दिये। पीडिघ्ता ने चिनहट कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज करायी है। इंस्पेक्टर धनंजय कुमार पाण्डेघ्य ने बताया कि साइबर क्राइम सेल की मदद से पड़घ्ताल की जा रही हैद्य। विकल्पखण्ड़ स्थित एल्डिघ्को ग्रीन बुड़ सोसाइटी में ऐश्वर्या गुप्ता परिवार के साथ रहती है। ११ जनवरी को ऐश्वर्या ने नारीलुक ड़ॉट कॉम से एक ड्रेघ्स बुक की थी। चार दिन बाद शैड़ोफैक्स कोरियर से पार्सल आया। उन्होंने ६६६ रुपये नकद देकर पार्सल लिया। ड्रेघ्स में खराबी देख ऐश्वर्या ने फेसबुक से नारीलुक कस्टमर केयर पर कॉल की लेकिन नम्बर बिजी रहाद्य। कुछ मिनट बाद ८६१७४३से कॉल आयी। फोनकर्ता ने खुद को कस्टमर केयरकर्मी बताया। पीडिघ्ता ने ड्रेघ्स में खराबी के चलते वापस करने की बात कहते हुए रुपये मांगे। जालसाज ने गूगलदृपे से रुपये भेजने का झांसा दिया और फिर खाते से ६६६२ रुपये पार कर दिये। पीडिघ्ता के विरोध करने पर जालसाज ने कहा कि यह वैरिफिकेशन के लिए हैं आपके रुपये वापस मिल जाएंगे।झांसा देकर जालसाज ने इसी तरह से खाते से और दो बार में ७६ॉ०२६ रुपये गायब कर दिये। शक होने पर पीडिघ्ता ने पड़घ्ताल की तो ठगी का पता चला। ८८ॉ६८८ रुपये की ठगी का एहसास होने पर पीडिघ्ता ऐश्वर्या गुप्ता ने चिनहट कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज करायी है।

कोरोना: 63 पॉजिटिव 74 डिस्चार्ज

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में कोरोना संक्रमरण की रफ्तार धीमी पड़घ रही हैं जबकि जांचों का आकड़घ छह हजार के पार है। बृहस्पतिवार को ६३ नये मरीजों में कोरोना की पुष्टि की गयी जबकि ७४ लोगों ने कोरोना को मात दी। इसके अलावा कोरोना वायरस के सम्बन्ध में सर्विलान्स एवं कान्टेक्ट ट्रेसिंग के आधार पर टीमों ने ६३०३ लोगों के सैम्पल लिये गये है। द्द राजधानी के सभी इलाकों में कोरोना संक्रमितों की संख्या घटी है। अभी तक ७७६८३ लोगों में कोरोना से ठीक हो चुके हैं जबकि १८४५ मरीजों का उपचार जारी है। इनमें बड़घी संख्या में लोग होम आइसोलेशन में उपचार करा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग की सूची में ६३ कोरोना संक्रमितों में सबसे ज्यादा गोमतीनगर क्षेत्र में छह मरीजों में पुष्टि की है। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम इन मरीजों के सम्पर्क में आये लोगों के नमूने लेने शुरू कर दिये हैं। इसी प्रकार चौकॉ रायबरेली रोड़ॉ कैन्ट और इंदिरानगर में पांचदृपांच मरीजों में कोरोना की पुष्टि की गयी। इसके अलावा राजधानी के अन्य क्षेत्रों में इक्कादृदुक्का ही मरीज वायरस की चपेट में आये। मुख्य चिकित्साधिकारी के प्रवक्ता योगेश रघुवंशी ने बताया कि कोविड प्रोटोकाल के तहत ३६ रोगियों को हास्पिटल का आवंटन किया गया। जिसमे से देर शाम तक १३ रोगियों को हास्पिटल में भर्ती कराया जा चुका है। शेष ३३ रोगियों ने होम आईसोलेशन का विकल्प चुना। अभी तक कुल होम आईसोलेशन में ६२०८२ रोगीं होम आईसोलेशन पूरा करने वाले ६१३५० तथा सक्रिय होम आईसोलेशन में ७३२ मरीजों का उपचार जारी है।

राजनीति में मेरी भूमिका चाय के एक कप से ज्यादा नहीं: कपिलदेव

लखनऊ (संवाददाता)। मशहूर क्रिकेटर कपिल देव ने कहा कि क्योंकि राजनीति में अपना व्यक्तित्व बदलना पड़ता है इसलिए वह राजनीति में नहीं जाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि देख कर मत्त्झे यह अनत्त्भव हत्त्आ है कि पार्टी प्रमत्त्ख के साथ एक सत्त्र में सत्त्र मिलाकर जनता को धोखा देना मेरे लिए संभव नहीं है। पार्टी में जाकर वह अपने स्वयं के स्वाभाविक सोच पर अंकत्त्श नहीं लगाना चाहते। भारतीय क्रिकेट टीम को पहला विश्व कप दिलाने वाले भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने कोलकाता के प्रभा खेतान फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित ऑनलाइन सत्र 'एक मत्त्लाकातश में यह बातें कही। द्द रूही स्याल द्वारा इस लाइव सत्र में कपिल देव ने कहॉ चत्त्नाव जीतना या हारना तब तक अलग है जब तक मेरी अपनी खत्त्द की राय इसमें शामिल न हो। उन्हें लगता है कि राजनीति में उनकी भूमिका चाय के एक कप से ज्यादा नहीं हैं मेरी माँ ने मत्त्झे कहा था कि मत्त्झे खेल के अलावा कभी दूसरी तरफ नहीं जाना चाहिए क्योंकि मेरे पास इसके लिए अच्छा अनत्त्भव नहीं है। इसलिए मैंने कभी एक्टिंग की दत्त्निया में जाने की कोशिश नहीं की। मैंने अभिनय नहीं किया हैं लेकिन एक फिल्म को और बेहतर बनाने और इसमें सच्चाई लानेधदिखने के लिए सिर्फ कपिल देव की भूमिका को करीब से देखनें समझने और जानने के लिए अपने विचारों को साझा किया है। द्द अपने आने वाले बायोपिक के बारे में जिसमें रणवीर सिंह और दीपिका पादत्त्कोण उनकी और उनकी पत्नी रोमी के रोल को चित्रित करेंगें पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान ने कहा कि यह फिल्म १६८३ में भारत की विश्व कप जीत की यात्रा के बारे में है। यह भारतीय क्रिकेट टीम पर हैं जिसने विश्व कप जीता था। इस फिल्म के जरिये निर्माता उस यात्रा के अच्छे और बत्त्रे दोनों अनत्त्भवों को लोगों के सामने लाने की कोशिश कर रहे हैंद्य।

सचल दल में प्रभारी के रूप में तैनात हो सकते हैं वाणिज्य कर अधिकारी !

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश वाणिज्यकर विभाग की १५० सचल दल इकाईयों में वाणिज्यकर अधिकारियों की बतौर प्रभारी तैनात किया जा सकता है। इसके लिए प्रयोग के तौर पर प्रदेश की ११ यूनिटों का प्रभार वर्तमान समय में वाणिज्यकर अधिकारियों के पास हैं जिसके अच्छे परिणाम देखने को मिलने के बाद माना जा रहा है कि कमिश्नर अमृता सोनी जल्द ही इसको लेकर को निर्देश जारी करेंगेद्य। गौरतलब है राज मार्गो के जरिये आने वाले टैक्सचोरी के माल की धर पकड़घ व माल के बिलों का संग्राह कर उनकी ऑनदृलाइन ड़ाटा फिडिघ्ंग करवाने की जिम्मेदारी प्रदेश की १५० सचल दल यूनिटों के पास है। वर्तमान समय में इन यूनिटों में प्रभारी के रूप में असिस्टेन्ट कमिश्नर तैनात हैं जबकि उनके सहायक के रूप में वाणिज्यकर अधिकारी तैनात है। असिस्टेन्ट कमिश्नर का एक पद बड़घ जरूर हैं लेकिन वाणिज्यकर अधिकारी भी राजपत्रित अधिकारी हैं इसलिए विभाग पर्याप्त मानव सम्पदा का राजस्व संग्राह में बेहतर उपयोग करने के लिए सचल दल में प्रभारी के रूप में वाणिज्यकर अधिकारियों को तैनात करने पर विचार कर रहा है। इसके साथ ही सचल दल से बचे हुए असिस्टेन्ट कमिश्नरों की क्षमता का उपयोग अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार सिन्हा की प्राथमिकता में शामिल ड़ाटा एनलिसिस के कार्य में किया जा सकता हैं क्योंकि जीएसटी लगने के बाद सभी ड़ॉटा ऑनदृलाइन हो गया है और प्राथमिकता है कि विभाग की विशेष जांच टीम (एसआईबी) जो भी जांच करे उसकी साप्य ड़ाटा के जरिये जुटाए जाएं।

द्द वही राज्य सरकार के मिशन शक्ति के तहत सचल दल में वर्तमान में सात महिला असिस्टेन्ट कमिश्नरों को पहली बार प्रयोग के रूप में तैनाती दी गयीं है। वही ज्वाइंट कमिश्नर एसआईबी में के पद पर महिला अधिकारी की तैनाती की गयीं जिससे यह प्रतीत होने लगा हैं आने वाले दिनों में सचल दल के प्रभारी के रूप में और भी महिला अधिकारियों को तैनाती का अवसर दिया जा सकता है। सचल दल में तैनाती चाहने का मुख्य कारण ये है कि यही एक ऐसा अनुभाग हैं जिसमें टैक्सचोरी के राजस्व को जमा करवाकर अपनी बेहतर कार्य क्षमता का प्रदर्शन कर सकते हैं।

कांग्रेस की सावरकर विरोधी मुहिम से गरमाई उत्तर प्रदेश की सियासत

पिक्चर गैलरी का अनावरण करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महिमा गान करते हुए कहा कि सावरकर का व्यक्तित्व सभी देशवासियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इस पर कांग्रेस की ओर से कड़ा एतराज जताया गया।

किसी राष्ट्र का इससे बड़ा दुर्भाग्य और क्या हो सकता है कि देश को आजादी दिलाने वाले नायकों पर ही सियासत शुरू हो जाए। देश को आजाद कराने के लिए दिए गए उनके बलिदान को थोथा साबित कर दिया जाए और यह सब इसलिए किया जाए जिससे कुछ लोगों की न केवल सियासत चमकती रहे बल्कि उनके पूर्वजों का कद भी ऊंचा रहे, जिन्होंने कभी भी आजादी की लड़ाई में अपना योगदान देने की बात बढ़–चढ़कर प्रचारित–प्रसारित करने का कोई मौका नहीं छोड़ा। यहां तक की इतिहास तक पलट दिया गया। यही वजह है जिन्होंने आजादी के पूरे आंदोलन के दौरान कभी जेल की हवा नहीं खाई, गोरे सिपाहियों ने जिन पर लाठी नहीं चलाई वह ताल–तिकड़म से आजादी के महानायक बन गए और जिन्होंने दस वर्षों तक सेलुलर जेल में काला पानी की सजा काटी, उन्हें कटघरे में खड़ा किया जा रहा है। ऐसे ही देश के महान सपूत वीर सावरकर आजकल कांग्रेस की आंख की किरकिरी बने हुए हैं। कांग्रेस एक तरफ देश भर में आजादी के नायक वीर सावरकर के खिलाफ जहर उगलती फिरती है वहीं दूसरी तरफ महाराष्ट्र में उस शिवसेना सरकार का हिस्सा बन जाती है जो महान स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर को अपना नायक मानती है।

खैर, वीर सावरकर (विनायक दामोदर सावरकर) से कांग्रेस का दुराव पुराना है। वीर सावरकर को लेकर कांग्रेस और भाजपा के बीच भी तलवारें खिंची रहती हैं। दरअसल, बीजेपी आजादी की लड़ाई में वीर सावरकर को नेहरू जैसे तमाम नेताओं से बड़ा और सच्चा नायक मानती है। इसीलिए योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश विधान परिषद की नवसृजित पिक्चर गैलरी में जैसे ही महान स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर का चित्र लगाया तो कांग्रेस बिफर गई। परिषद में पार्टी के दल नेता दीपक सिंह ने सभापति रमेश यादव को पत्र लिखकर सावरकर के कार्यों को देश विरोधी बताया और फोटो हटाकर भाजपा के संसदीय कार्यालय में लगाने की मांग की है। पूर्व सपा नेता और सभापति रमेश यादव, जिनका कार्यकाल इस माह के अंत में खत्म हो रहा है, ने भी सियासी गोटियां बिछाते हुए प्रमुख सचिव को तथ्यों की जांच करने के निर्देश देने में देरी नहीं लगाई।

दरअसल, हाल ही में उत्तर प्रदेश विधान परिषद का सुंदरीकरण कराने के साथ ही वहां पिक्चर गैलरी बनाई गई है, जिसमें तमाम स्वतंत्रता सेनानियों, क्रांतिकारियों के चित्र लगाए गए हैं। इनमें वीर सावरकर की तस्वीर भी शामिल है। पिक्चर गैलरी का अनावरण करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महिमा गान करते हुए कहा कि सावरकर का व्यक्तित्व सभी देशवासियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इस पर कांग्रेस की ओर से कड़ा एतराज जताया गया। कांग्रेस के विधान परिषद सदस्य दीपक सिंह ने सभापति को पत्र लिखकर कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों और क्रांतिकारियों के बीच सावरकर का चित्र लगाना उन महापुरुषों का अपमान है। अंग्रेजों से माफी मांगने वाले, उनके साथ मिलकर देश के विरुद्ध लड़ने वाले, मोहम्मद अली जिन्ना की तरह दो राष्ट्र की मांग उठाने वाले को सिर्फ भाजपा की स्वतंत्रता सेनानी मान सकती है। विधान परिषद में प्रशिक्षण–भ्रमण पर आने वाले अधिकारी और छात्र यहां से क्या प्रेरणा लेंगे। कांग्रेस ने मांग की कि सावरकर के चित्र को विधान भवन के मुख्य द्वार से हटाकर भाजपा के संसदीय कार्यालय में लगा दिया जाए।

बहरहाल, कांग्रेस की सोच जो भी हो लेकिन वीर सावरकर को लेकर देश की बड़ी आबादी की सोच कांग्रेस से बिल्कुल इत्तेफाक नहीं रखती है। एक तरफ भारतीय जनता पार्टी वीर सावरकर को भारत रत्न देने की बात कर उन्हें महान देशभक्त बताती है, तो दूसरी तरफ कांग्रेस उन्हें अंग्रेजों का पिट्ठू करार देकर लगातार विरोध करती रहती है।

हालांकि तमाम किन्तु–परंतुओं के बीच यह जान लेना भी जरूरी है कि एक समय ऐसा भी था जब कांग्रेस और वीर सावरकर एक–दूसरे के प्रबल समर्थक हुआ करते थे। वीर सावरकर ने एक समय कांग्रेस को आजादी की मशालवाहक तक करार दिया था। और तो और वीर सावरकर के जेल से छूटने के बाद कांग्रेस के कई नेताओं ने कई शहरों में वीर सावरकर के स्वागत में कार्यक्रम तक रखे थे, लेकिन समय के साथ काफी कुछ बदल गया और कांग्रेस ने वीर सावरकर से दूरी बनाकर उन्हें अपमानित करना भी शुरू कर दिया।

वीर सावरकर से कांग्रेस का विरोध जगजाहिर है, लेकिन इतने मात्र से सावरकर का कद छोटा नहीं हो जाता है। आधुनिक भारत में हिंदुत्व राष्ट्रवाद के पुरोधा माने जाने वाले सावरकर का बाल गंगाधर तिलक, दादा भाई नौरोजी, महात्मा गांधी, पंडित जवाहरलाल नेहरू, सुभाषचंद्र बोस और नरीमन जैसे नेता भी समय–समय पर तारीफ करते रहे थे। वीर सावरकर हमेशा गोरी सरकार की आंख की किरकिरी बने रहे थे। इसीलिए उन्हें ब्रिटिश सरकार ने काला पानी की सजा देकर सेलुलर जेल में बंद कर दिया था। 1920 में गांधी, वल्लभभाई पटेल और तिलक ने ब्रिटिश शासकों से सावरकर को बगैर शर्त छोड़ जाने की मांग रखी थी, लेकिन इस सबके बावजूद वीर सावरकर और कांग्रेस एक घटना को लेकर इस तरह आमने–सामने आए कि दोनों के बीच दुश्मनी की दीवार खड़ी हो गई।

हुआ यह कि नॉर्थ वेस्ट फ्रंटियर प्रॉविन्स में कुछ हिंदू युवतियों का अपहरण हो गया। इस अपहरण कांड को लेकर तमाम तरह की खबरें फैल रही थीं। इसी में एक खबर यह भी थी कि कुछ स्थानीय नेताओं जिसमें डॉ. खान साहिब के नाम से मशहूर अब्दुल जफ्फार खान का भी नाम शामिल था, ने अगवा की गई युवतियों को वापस मुस्लिम अपहरणकर्ताओं को सौंपे जाने की मांग की थी। उनकी इस मांग का कांग्रेस के नेताओं ने अपनी सभा में समर्थन किया था। इससे क्रोधित वीर सावरकर ने कांग्रेसी नेताओं को कथित रूप से 'राष्ट्रीय हिजड़े' ही उपाधि दे दी। इसके बाद कांग्रेस और वीर सावरकर एक–दूसरे के कट्टर दुश्मन बन गए। उस समय कांग्रेस ने वीर सावरकर का विरोध करते हुए कहा था कि वह जिस घटना को आधार बनाकर कांग्रेस पर लांछन लगा रहे हैं, वह घटना काल्पनिक है।

इस पूरे प्रसंग का उल्लेख करते हुए वैभव पुरंदरे ने अपनी पुस्तक 'सावरकर द ट्रू स्टोरी ऑफ फादर ऑफ हिंदुत्व' में लिखा कि उक्त प्रकरण के बाद पुणे में सावरकर के जेल से छूटने के बाद होने वाले स्वागत कार्यक्रम के प्रभारी कांग्रेसी नेता एनवी गाडगिल ने स्वागत प्रभारी पद छोड़ दिया और सावरकर पर आरोप लगाया कि उन्होंने (सावरकर) जिस खबर पर कड़ी प्रतिक्रिया दी, वही झूठी थी।

पुरंदरे ने अपनी किताब में लिखा कि गाडगिल ने कहा था कि डॉ. खान साहिब के नाम से मशहूर अब्दुल जफ्फार खान ने ऐसा कोई बयान नहीं दिया कि लड़कियां अपहरणकर्ताओं को सौंपी जानी चाहिए।

अब्दुल गफ्फार खान सीमांत गांधी के नाम से मशहूर गफ्फार खान के भाई थे। ये उनके नाम से छपा जरूर था। गाडगिल के इस बयान के बाद रिपोर्टिंग को लेकर सवाल खड़े हुए थे।

गाडगिल के इस कदम के बाद सावरकर ने कहा कि अगर खान साहिब के नाम से छपा ये बयान वास्तविक नहीं हुआ तो मुझसे ज्यादा खुशी किसी और को नहीं होगी। पुरंदरे लिखते हैं कि सावरकर ने इस मुद्दे पर कई तरह से सफाइयां दीं और कांग्रेस के साथ कई किस्म की बातचीत हुई, लेकिन सावरकर को कांग्रेस ने ब्लैकलिस्ट में डाल दिया। सावरकर का जो भी कार्यक्रम होता, वहां कांग्रेसी काले झंडे लेकर विरोध प्रदर्शन करने पहुंच जाते थे। इस पूरे घटनाक्रम के बाद सावरकर और कांग्रेस के बीच फिर कभी बात नहीं बनी। सावरकर भी बाबा साहेब आंबेडकर को छोड़ नेहरू, गांधी और सभी प्रमुख कांग्रेसी नेताओं की समय–समय पर आलोचना करते रहे। उधर, कांग्रेस भी पूरी ताकत से सावरकर के विरोध में खड़ी होकर सावरकर को धीरे–धीरे भारतीय राजनीति से दरकिनार करती चली गई। वीर सावरकर की ऐसी छवि बना दी गई मानो वह हिन्दू राष्ट्र के पक्षधर हों। सावरकर के बारे में कांग्रेस ने अनर्गल प्रचार करके उनकी छवि धूमिल करने का कभी कोई मौका नहीं छोड़ा और यह सिलसिला आज तक जारी है। कांग्रेस के युवराज राहुल गांधी तो वीर सावरकर को लेकर निम्न स्तर की सियासत पर उतर आते हैं।

जो गोपनीयता व्हाट्सएप की जान थी उसे फेसबुक खत्म करने में लगा है

आजकल व्हाट्साप को दुनिया के करोड़ों लोग रोज इस्तेमाल करते हैं। वह भी मुफ्त! लेकिन पिछले दिनों लाखों लोगों ने उसकी बजाय 'सिग्नल', 'टेलीग्राम' और 'बोटिम' जैसे माध्यमों की शरण ले ली और यही क्रम कुछ महीने और चलता रहता तो करोड़ों लोग 'व्हाट्साप' से मुंह मोड़ लेते। ऐसी आशंका इसलिए हो रही है कि व्हाट्साप की मालिक कंपनी 'फेसबुक' ने नई नीति बनाई है जिसके अनुसार जो भी संदेश व्हाट्साप से भेजा जाएगा, उसे फेसबुक देख सकेगा याने जो गोपनीयता व्हाट्साप की जान थी, वह निकलने वाली थी। व्हाटसाप की सबसे बड़ी खूबी यही थी और जिसका बखान उसे खोलते ही आपको पढ़ने को मिलता है कि आपकी बात या संदेश का एक शब्द भी न कोई दूसरा व्यक्ति सुन सकता है और न पढ़ सकता है। यही वजह थी कि देश के बड़े–बड़े नेता भी आपस में या मेरे–जैसे लोगों से दिल खोलकर बात करना चाहते हैं तो वे व्हाट्साप का ही इस्तेमाल करते हैं।

इसका दुरुपयोग भी होता है। आतंकवादी, हत्यारे, चोर–डकैत, दुराचारी और भ्रष्ट नेता व अफसरों के लिए यह गोपनीयता वरदान सिद्ध होती है। इस दुरुपयोग के विरुद्ध सरकार 'व्यक्तिगत संवाद रक्षा कानून' ला रही है, जो व्यक्तिगत स्वतंत्रता और गोपनीयता की रक्षा तो करेगा ही लेकिन संविधान विरोधी बातचीत या संदेश को पकड़ सकेगा। मैं आशा करता हूं कि इस महत्वपूर्ण कानून को बनाते वक्त हमारी सरकार और संसद वैसी लापरवाही नहीं करेगी, जैसी उसने कृषि–कानूनों के साथ की है।

अभी भी व्हाट्साप पर स्वास्थ्य–जांच रपटें, यात्रा और होटल के विवरण तथा व्यापारिक लेन–देन के संदेशों को भेजने की खुली व्यवस्था है। 'फेसबुक' चाहती है कि 'व्हाट्साप' की समस्त जानकारी का वह इस्तेमाल कर ले ताकि उससे वह करोड़ों रुपए कमा सकती है और दुनिया के बड़े–बड़े लोगों की गुप्त जानकारियों का खजाना भी बन सकती है। व्हाटसाप इस नई व्यवस्था को 8 फरवरी से शुरू करने वाला था लेकिन लोगों के विरोध और क्रोध को देखते हुए उसने अब इसे 15 मई तक आगे खिसका दिया है।फेसबुक को व्हाट्साप की मिल्कियत 19 अरब डालर में मिली है। वह इसे कई गुना करने पर आमादा है। उसे पीछे हटाना मुश्किल है लेकिन 'यूरोपियन यूनियन' की तरह भारत का कानून इतना सरल होना चाहिए कि नागरिकों की निजता पूरी तरह से सुरक्षित रह सके लेकिन मेरा अपना मानना यह है कि जिन लोगों का जीवन खुली किताब की तरह होता है, उनके यहाँ गोपनीयता नाम की कोई चीज ही नहीं होती। वे किसी फेसबुक से क्यों डरें ?

शहर के चौराहों पर नहीं है दिशा संकेतक, रास्ता पूछने में ही लग जाता है जाम

जौनपुर। लंबे समय से जाम की समस्या से जूझ रहे शहर के प्रमुख चौराहों और तिराहों पर कोई दिशा संकेतक न होना जाम की एक बड़ी वजह है। संकेत बोर्ड न होने के चलते बाहर से आने वालों को शहर में भटकना पड़ता है। कई बार भारी वाहन भी रास्ता पूछने के लिए बीच सड़क पर ही खड़े हो जाते हैं, जिससे यातायात व्यवस्था चरमरा जाती है।

वाराणसी–लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग, दुद्धी–लुंबिनी हाईवे, प्रयागराज–गोरखपुर हाईवे शहर से ही होकर गुजरते हैं। इन सभी हाईवे पर शहर में कई चौराहे और तिराहे हैं। लेकिन किसी भी चौराहे पर ऐसा कोई दिशा संकेतक नहीं है, जिसके सहारे वाहन चालक बिना किसी से रास्ता पूछे आगे बढ़ सके। कई बार वाहन गलत दिशा में मुड़कर जाम का कारण बन जाते हैं। गोरखपुर–आजमगढ़ की तरफ से आने वाले वाहन जब वाजिदपुर तिराहे पर पहुंचते हैं तो उन्हें समझ में नहीं आता कि यहां से वाराणसी किस दिशा में जाना है और लखनऊ और प्रयागराज के लिए किधर मुड़ना है। लखनऊ या वाराणसी की तरफ से आने वाले वाहनों को पॉलीटेक्निक और वाजिदपुर तिराहे पर ऐसी ही समस्या से जूझना होता है। शहर के प्रमुख चौराहों में शुमार जेसीज चौराहे पर भी कोई संकेतक नहीं है। नईगंज तिराहा, मुरादगंज तिराहा, कलीचाबाद बाईपास, पचहटिया और सिपाह तिराहे पर भी कोई बोर्ड नहीं लगा है। शहर के अंदर ओलंदगंज, चहारसू, कोतवाली, घग्घा चौराहे का भी यही हाल है।

पुराना दिशा संकेतक बना है समस्या

जौनपुर। शहर के पॉलिटेक्निक चौराहे पर बहुत पहले संकेतक बोर्ड लगा है। इस पर मिर्जापुर 70 किमी लिखकर सड़क की ओर तीर से दर्शाया गया है, जबकि वर्ष 2014 में सिटी स्टेशन रेलवे क्रॉसिंग पर जब रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण शुरू हुआ तभी से इस मार्ग पर आवागमन बंद है। ऐसे में कई भारी वाहन बोर्ड देखकर अक्सर पॉलीटेक्निक चौराहे से ही मिर्जापुर की तरफ मुड़ जाते हैं। जब तक उन्हें ट्रैफिक पुलिस या अगल बगल के लोग आगे रोड बंद होने की जानकारी देते हैं तब तक उस वाहन के आगे पीछे भी अन्य कई वाहन खड़े हो चुके होते हैं, जिससे जाम लग जाता है।

शहर के चौराहों पर संकेत बोर्ड लगाने के लिए यातायात पुलिस के पास कोई बजट नहीं है। अन्य शहरों में भी यह काम नगर निगम या नगर पालिका के जिम्मे होता है। यहां भी नगर पालिका को संकेत बोर्ड लगाने के लिए पत्र लिखा गया है। –वीरेंद्र कुमार बरवार, यातायात निरीक्षक।

शहर के सभी प्रमुख चौराहों–तिराहों पर संकेतक लगाने की योजना है, लेकिन यह काम सड़कों की मरम्मत के बाद होगा। इन दिनों शहर में सड़क के चौड़ीकरण और सीवर लाइन बिछाने के लिए कई जगह खोदाई चल रही है। निर्माण पूरा होते ही सभी जरूरी स्थानों पर बोर्ड लगा दिया जाएगा।

गांव में रोजगार की मंशा धड़ाम, 64 हजार को एक दिन भी नहीं मिला काम

जौनपुर। मनरेगा मजदूरों का पलायन रोकने के लिए गांव में ही काम देने की मंशा जिले में धड़ाम हो गई है। इस वित्तीय वर्ष में 2.72 लाख मजदूरों के सापेक्ष महज 8494 मजदूर ही सौ दिन का काम पा सके हैं। करीब 64 हजार मजदूरों को काम ही नहीं मिला। वहीं दो लाख मजदूर ऐसे थे, जिन्हें काम तो मिला, मगर सौ दिन के लक्ष्य से अभी वह कोसों दूर हैं। यह हाल भी तब है, जब कोरोना काल में मजदूरों को काम देने के लिए खूब योजनाएं बनाई गईं।कोरोना महामारी के कारण हुए लॉक डाउन में बड़ी संख्या में प्रवासी मजदूर जिले में आए थे। सरकार के निर्देश पर उन्हें गांव में रोजगार से जोड़ने की पहल शुरू हुई थी। इस दौरान बड़ी संख्या में उनके नए जॉब कार्ड भी बनाए गए।

बेटियों को शिक्षित करना देश हित में आवश्यक : सीमा

सतहरिया। नीभापुर स्थित गिरजाशंकर इंटर कॉलेज में

बृहस्पतिवार को नवनिर्मित विज्ञान कक्ष का राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी ने उद्घाटन किया। उन्होंने बेटियों की शिक्षा पर जोर देते हुए उन्हें अच्छी तालीम देने के लिए अभिभावकों को प्रेरित किया। राज्य सभा सांसद ने कहा कि समाज को एक सूत्र में बांधने व देश के विकास में शिक्षा ही एक मात्र विकल्प है। इसके माध्यम से समाज में व्याप्त बुराइयों व कुरीतियों को दूर किया जा सकता है। बेटा–बेटी की शिक्षा में अभिभावकों को भेदभाव नहीं करना चाहिए। इसके पूर्व उन्होंने संस्थापक गिरजाशंकर तिवारी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। छात्राओं ने पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया। छात्राओं ने सरस्वती वंदना, स्वागत गीत की प्रस्तुति दी। प्रधानाचार्य संघ के नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष सुधाकर उपाध्याय का अभिनंदन हुआ। अध्यक्षता छोटेलाल तिवारी और संचालन जयकिशन यादव व राजीव रत्नम तिवारी ने किया। प्रधानाचार्य सर्वेश चंद्र द्विवेदी व प्रबंधक हरिचंद्र तिवारी ने आभार जताया। इस मौके पर डायरेक्टर प्रभाकर द्विवेदी, शोभनाथ पांडेय, राजमूर्ति तिवारी, उप प्रबंधक कपिल देव पांडेय, अनिल चौबे, विजय कुमार दुबे, रामनयन सिंह, डॉ. राम सिंगार शुक्ला, घनश्याम मिश्रा, मनोज कुमार, अनिल कुमार यादव, रविंद्र नाथ, ज्ञानेंद्र आदि मौजूद रहे।

किसानों की आय दो गुनी करने की दी जानकारी

जौनपुर। जिले के सिरकोनी, खुटहन, रामपुर व मुफ्तीगंज ब्लाकों में बृहस्पतिवार को कृषि विभाग ने किसान कल्याण मिशन के तहत गोष्ठी और किसान मेला लगाया। वैज्ञानिक तरीके अपनाकर किसानों को आय दोगुनी करने के तरीके बताए गए। प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया गया।

जफराबादरूसिरकोनी ब्लॉक के मेले में भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य अरविंद सिंह ने कहा कि सरकार किसानों को उनकी मेहनत का पूरा फायदा देना चाहती है। कृषि वैज्ञानिक डॉ. सुरेंद्र सोनकर ने आय दोगुनी करने के लिए फायदेमंद फसलों की पैदावार करने की जानकारी दी। सीवीओ डॉ. वीरेंद्र सिंह ने पशुओं की देखभाल के उपाय बताए। अध्यक्षता बीडीओ प्रवीण कुमार त्रिपाठी व संचालन चंद्रशेखर सिंह ने किया। इस मौके पर सुमंत कुमार, रवींद्र कुमार, विनय कुमार, राहुल कुमार आदि मौजूद रहे। खुटहनरू ब्लाक मुख्यालय पर किसान गोष्ठी का शुभारंभ मुख्य अतिथि माटी कला बोर्ड के प्रदेश सदस्य अजीत प्रजापति व भाजपा नेता नरेंद्र उपाध्याय ने किया। जिला कृषि रक्षा अधिकारी राजेश राय ने कहा कि तकनीकी खेती अपना कर किसान खेती से अच्छा मुनाफा कमा सकता है। इसके लिए मिट्टी की जांच से लेकर सभी वैज्ञानिक विधियों का उपयोग करना जरूरी है। इस मौके पर भाजपा के मंडल अध्यक्ष वंशबहादुर पाल, बेचन पांडेय, प्रेमचंद तिवारी, एडीओ एजी मनोज कुमार, दिनेश सिंह, अन्नू दुबे, राजेंद्र पाल आदि मौजूद रहे। रामपुररू स्थानीय ब्लाक परिसर में किसान गोष्ठी का शुभारंभ मुख्य अतिथि मड़ियाहूं विधायक डॉ. लीना तिवारी ने किया। कहा कि किसानों का योगदान देश के विकास में बहुत ही महत्वपूर्ण है। उन्हें कोई परेशानी न हो यह हमारी प्राथमिकता है। विषय वस्तु विशेषज्ञ जय प्रकाश गुप्ता, बीडीओ राजीव कुमार सिंह, कृषि अधिकारी ललित मोहन यादव, शरद उपाध्याय, गुरु प्रसाद मौर्य, पवन पांडेय, शंभू तिवारी, शिव शंकर गुप्ता आदि ने जानकारी दी।

शिक्षक की प्रयागराज में मिली लोकेशन

डोभी। चंदवक थाना क्षेत्र के बीरीबारी गांव से संदिग्ध हाल में लापता शिक्षक आलोक सिंह का लोकेशन पुलिस ने प्रयागराज में होने का दावा किया है। पुलिस का कहना है कि परिवार के लोगों से शिक्षक लगातार संपर्क में है। उधर, शिक्षक ने सोशल मीडिया में वीडियो जारी कर पुलिस पर प्रताड़ना का आरोप लगाया। बीरीबारी गांव निवासी शिक्षक आलोक सिंह मंगलवार की रात संदिग्ध हाल में लापता हो गए थे। वह घर से चंदवक बाजार गए, जिसके बाद से उनका कहीं पता नहीं है।

!! शिक्षित महिला !! !! शिक्षित समाज !!

Website : www.jaybajrang.org

Email : jaybajrangmm@rediffmail.com

जय बजरंग महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय

(सम्बद्ध–वी0ब0सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर)

मुँगरा बादशाहपुर, जौनपुर (उ0प्र0)

प्रवेश प्रारम्भ

बी0ए0– (हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, उर्दू, प्रा0इतिहास, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, गृहविज्ञान, राजनीति विज्ञान, संगीत)

एम0ए0– (हिन्दी, समाजशास्त्र, गृहविज्ञान)

बी0एस0सी0– (प्राणि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित)

बी0एड0– (कला एवं विज्ञान वर्ग)

डी0एल0एड0 (बी0टी0सी0)

अध्ययन केन्द्र–उ0प्र0राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(एस–213) शान्तीपुरम्, फाफामऊ, इलाहाबाद

मोबाइल नं0–

7398144409 , 9451117446

डॉ0घनश्याम मिश्र

संस्थापक / प्रबन्धक

स्वात्वाधिकारी, मुद्रक प्रकाशक एवं प्रधान सम्पादक घनश्याम मिश्र द्वारा "जनछाया" बजरंग प्रिटिंग प्रेस, मुँगरा बादशाहपुर, जौनपुर से प्रकाशित

कार्यकारी सम्पादक :
चंचल मिश्र

फोन : 9451117446

editorjanchhaya@gmail.com